राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 03 जनवरी 2026 वर्ष-8,अंक-307 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंदौर दूषित पानी कांड

निगम कमिश्नर को नोटिस,अपर आयुक्त की 'छुट्टी'

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में दूषित पानी से मौतों के मामले में नगर निगम कमिश्नर दिलीप यादव और एडीशनल कमिश्नर रोहित सिसोनिया को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। एडीशनल कमिश्नर सिसोनिया को इंदौर से हटा दिया गया है। वहीं, इंचार्ज सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर से जल वितरण कार्य विभाग का प्रभार वापस ले लिया गया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नगर निगम में जितने भी जरूरी खाली पद है, उन्हें भरने के निर्देश दिए गए हैं। इससे पहले, इंदौर में गंदे पानी से मौत के मामले में मध्य प्रदेश सरकार ने अपनी स्टेटस रिपोर्ट शुक्रवार को हाईकोर्ट में पेश कर दी, इसमें पानी से सिर्फ 4 मौत होने की बात कही है। सरकार की रिपोर्ट तब आई, जब मृतकों के परिजन और अस्पतालों के जरिए 15 मौतों की जानकारी सामने आ चुकी है।

दूषित पानी से 15वीं मौत के बाद सीएम का बड़ा ऐक्शन

मेडिकल कॉलेज की रिपोर्ट में जानलेवा बैक्टीरिया की पुष्टि

गुरुवार को महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज की लैब रिपोर्ट में भी पानी में सीवेज मिलने की पुष्टि हो चुकी है। इसके बाद कलेक्टर शिवम वर्मा और सीएमएचओ डॉ. माधव हसानी ने कहा था- पानी में बैक्टीरिया मिले हैं, लेकिन विस्तृत रिपोर्ट जारी नहीं की। कलेक्टर ने कहा था- पानी की कल्चर रिपोर्ट आने के बाद और स्थिति स्पष्ट होगी। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और सांसद शंकर लालवानी भी पाइपलाइन लीकेज व पानी में सीवेज मिला होने की बात कह चुके हैं।

राहुल बोले-जहर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा- इंदौर में पानी नहीं, जहर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा। घर-घर मातम है, गरीब बेबस हैं और ऊपर से बीजेपी नेताओं के अहंकारी बयान। जिनके घरों में चूल्हा बुझा है, उन्हें सांत्वना चाहिए थी, सरकार ने घमंड परोस दिया। लोगों ने बार-बार गंदे, बदबूदार पानी की शिकायत की - फिर भी सुनवाई क्यों नहीं हुई। सीवर पीने के पानी में कैसे मिला। समय रहते सप्लाई बंद क्यों नहीं हुई। जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी। ये 'फोकट' सवाल नहीं- ये जवाबदेही की मांग है। राहुल ने लिखा- साफ पानी अहसान नहीं, जीवन का अधिकार है।

2047 तक भारत की इकोनॉमी 5.25 गुना ज्यादा बढ़ जाएगी

रिपोर्ट में दावा-21 साल में प्रति व्यक्ति आय 2.5 लाख से बढ़कर 13.5 लाख होगी

मुंबई (एजेंसी)। भारत के पास युवा आबादी, डिजिटल ताकत, मजबूत स्टार्टअप इकोसिस्टम, मैन्युफैक्चरिंग और ग्रीन एनर्जी की ताकत है। इसके दम पर देश की अर्थव्यवस्था साल 2047 तक यानी अगले 21 साल में 26 ट्रिलियन डॉलर (2,314 लाख करोड़ रुपए) हो सकती है, जो अभी करीब 4.18 ट्रिलियन डॉलर (376 लाख करोड़ रुपए) की है। रेटिंग एजेंसी अर्नस्ट एंड यंग की रिपोर्ट में ये बातें कही गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस विकास के साथ भारत में प्रति व्यक्ति आय भी 2.5 लाख रुपए से बढ़कर 13.5 लाख रुपए हो जाएगी। एजेंसी का मानना है कि भारत अमेरिका और चीन के बाद दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

7 बड़े फैक्टर, जो उम्मीद बढ़ा रहे

बड़ी कामकाजी आबादीः साल 2030 तक भारत की 68.9 फीसदी आबादी कामकाजी उम्र (15-64 वर्ष) की होगी। तब देश में 1.04 अरब यानी करीब 100 करोड़ लोग कामकाजी होंगे। दुनिया में अगले दशक में जुड़ने वाले 24-25 फीसदी नए श्रमिक यहीं से होंगे। औसत उम्र 28.4 वर्ष है। मजबूत स्टार्टअप सिस्टमः भारत में 107 यूनिकॉर्न हैं। 4 साल में ये सालाना 66 फीसदी से बढ़े। इनकी कुल वैल्यू 7.37 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई। निवेशकों ने करीब 3.82 लाख करोड़ रुपए लाभ कमाया। भारत के स्टार्टअप ईकोसिस्टम में आगे भी अच्छी संभावनाएं हैं।

वर्किंग वुमन भी बढ़ेंगी डिजिटल पेमेंट में तेजी

भारत की उच्च शिक्षा में करीब 49 फीसदी छात्राएं हैं। इसका साफ मतलब है कि आने वाले वर्षों में भारत के कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी काफी बढ़ने वाली है। ऐसे में देश के लिए उत्पादकता बढ़ाने की लंबी संभावनाएं नजर आ रही हैं। यूपीआई नेटवर्क से 350 से ज्यादा बैंक जुड़े हुए हैं। इसके 26 करोड़ से अधिक यूनिक यूजर हैं। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था ने 2014-2019 के बीच 15.6 फीसदी की दर से बढ़ी, जो देश की कुल इकोनॉमी ग्रोथ से 2.4 गुना तेज थी। विश्व बैंक के अनुसार 2020 में भारत में निजी कंपनियों और कारोबार को दिया गया कुल कर्ज, देश की जीडीपी का सिर्फ 55 फीसदी था। यह दुनिया के औसत 148 फीसदी से काफी कम है। मतलब ये है कि कंपनियां अभी और कर्ज लेने में सक्षम। साल 2070 तक भारत ने नेट जीरो का लक्ष्य तय किया है। इसके मायने ये हैं कि इसके बाद भारत फॉसिल फ्यूल जैसे पेट्रोल-डीजल पर निर्भरता खत्म कर लेगा। यह बड़ा अवसर है। इस लक्ष्य के लिए सरकार को 2030 तक जीडीपी के मुकाबले कार्बन के मौजूदा उपयोग में 45 फीसदी की कमी लानी होगी। सरकार ग्रीन इन्फ्रास्ट्रक्चर के डेवलपमेंट पर जोर दे रही है। केवल ईवी ईको सिस्टम के लिए केंद्र से 14.5 अरब डॉलर का सपोर्ट है।

स्थापना के 100 साल पर संघ बदल रहा अपना ढांचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में 21वीं सदी में आ रहे सामाजिक व राजनीतिक बदलावों के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी अपने संगठनात्मक ढांचे में बदलाव की तैयारी में है। संघ सौ साल का हो चुका है और वह नई स्थितियों में खुद का विस्तार कर रहा है। भाजपा और केंद्र की मोदी सरकार के विजन व मिशन विकिसत भारत 2047 में भी संघ का यह बदलाव महत्वपूर्ण होगा, जिसमें वह ज्यादा बेहतर तरीके से अपने संगठन के साथ राष्ट्र निर्माण के नए पथ पर सहयोग कर सके। जानकारी के अनुसार, संगठन में अब त्रिस्तरीय व्यवस्था होगी, जिसमें केंद्र, राज्य व संभाग होंगे। अब तक पूरा देश क्षेत्र 11 में बंटा था जो अब 9 क्षेत्र तक सीमित रह जाएगा। संगठन के क्षेत्रीय ढांचे में बदलाव से लेकर कई पुराने पदों को समाप्त करना और नए पदों का सृजन भी संघ की योजना में शामिल हैं।

देश के एयर डिफेंस की ताकत को मिलेगी अधिक मजबूती

- रक्षा मंत्रालय ने 36 मीटियोर मिसाइलों की खरीद को दी मंजूरी

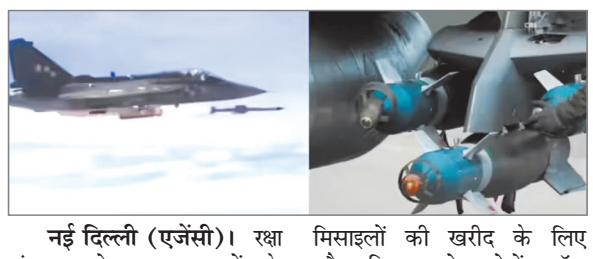

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्रालय ने सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के लिए चालू वित्तवर्ष 2025-26 में दिसंबर के अंत तक 1.82 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल ने इंडियन एयर फोर्स के लिए 36 से अधिक अतिरिक्त मेटियोर बियॉन्ड-विजुअल-रेंज एयर-टू-एयर मिसाइलों की खरीद के लिए औपचारिक रूप से एक्सेप्टेंस ऑफ नेसेसिटी दे दी है। इस खरीद को मंजूरी से वायु सेना की एयर डिफेंस क्षमता मजबूत होगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद ने इस सप्ताह अपने सबसे एडवांस फ्रांसीसी राफेल फाइटर जेट के लिए 36 मीटियोर एयर-टू-एयर मिसाइलों की खरीद को अप्रूव किया है।

जहां कांग्रेस सरकार वहां ईवीएम पर सबसे ज्यादा भरोसा!

- कर्नाटक सरकार के सर्वे में 91 फीसदी लोगों ने माना निष्पक्ष हुए चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान राज्य सरकार की ओर से कराए गए एक सर्वे की रिपोर्ट अब सामने आई है, जिसने बीजेपी को कांग्रेस पर हमला करने का बड़ा मौका दे दिया है। दरअसल, इस सर्वे में कर्नाटक के लोगों से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम की विश्वसनीयता को लेकर सवाल पूछे गए थे। सर्वे रिपोर्ट के

मुताबिक, 83.5 प्रतिशत लोगों ने ईवीएम को विश्वसनीय बताया है। वहीं, 69.3 प्रतिशत लोगों का कहना है कि ईवीएम से बिल्कुल सटीक नतीजे सामने आते हैं। इसके अलावा 14.3 प्रतिशत लोगों ने पूरी मजबूती के साथ ईवीएम पर अपना भरोसा जताया है। जानकारी के मुताबिक, इस सर्वे में बेंगलुरु, बेलगावी, कलबुर्गी और मैसूरु क्षेत्र के साथ-साथ राज्य के प्रमुख डिवीजनों को शामिल किया गया था। कुल 102 विधानसभा क्षेत्रों में यह सर्वे कराया गया और 5100 से अधिक उत्तरदाताओं से सवाल-जवाब किए गए।

प्रार्थना-सभा में अखबार होगा उपलब्ध,हो गई तैयारी

राजस्थान के बच्चे भी स्कूल में पढ़ेंगे समाचार पत्र

जयपुर (एजेंसी)। सरकारी स्कूलों में शिक्षा को पुस्तकों से आगे ले जाकर व्यवहारिक और समसामयिक बनाने की दिशा में राजस्थान सरकार ने भी अहम पहल की है। उत्तर प्रदेश के बाद अब राजस्थान के सरकारी स्कूलों में भी विद्यार्थियों को समाचार पत्र पढ़ने का अवसर मिलेगा। प्रार्थना सभा के दौरान एक हिंदी और एक अंग्रेजी समाचार पत्र का वाचन कराया जाएगा, जिससे बच्चे देश-दुनिया की घटनाओं से जुड़ सकें और उनकी भाषा व समझ का स्तर बेहतर हो। हाल के दिनों में उत्तर प्रदेश सरकार ने सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए समाचार पत्र वाचन की व्यवस्था लागू की थी। इसका उद्देश्य

बच्चों की भाषा, शब्दावली और समसामयिक समझ को मजबूत करना था। अब राजस्थान ने भी इसी माडल को अपनते हुए इसे अपनी शिक्षा व्यवस्था में लागू करने का निर्णय लिया है।

सेना ने 2026 को नेटवर्किंग-डेटा सेंट्रिसिटी का साल घोषित किया

- जनरल द्विवेदी बोले-नवाचार हमारी ताकत का आधार है,ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने गुरुवार को 2026 को 'नेटवर्किंग एवं डेटा-केंद्रितता (सेंट्रिसिटी) का वर्ष' घोषित किया है। साथ ही कहा कि यह पहल कनेक्टिविटी, रियल-टाइम डिसिजन मेकिंग और कॉम्बेट इफेक्टिवनेस को बढ़ाएगी, जिससे भविष्य के लिए सेना की लचीलापन और फुर्ती और मजबूत होगी। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने नए साल के संदेश में कहा कि सेना परिवर्तन के एक दशक से गुजर रही है।

आत्मनिर्भरता तथा नवाचार हमारी सैन्य ताकत के मूल आधार हैं। उन्होंने सेना के

एक्स हैंडल पर पोस्ट किए गए अपने लिखित संदेश में कहा, स्वदेशी तकनीकों के प्रभावी उपयोग, नए विचारों और निरंतर सुधारों के माध्यम से हम सेना को अधिक सक्षम और भविष्य के लिए तैयार बना रहे हैं।

सिंधु जल संधि पर पाकिस्तान ने फिर करवा ली फजीहत

जयशंकर ने जमकर हड़काया,कहा-सलाह की जरूरत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सिंधु जल संधि पर पाकिस्तान की नहीं खत्म हो रही छटपटाहट पर उसे एक बार फिर से जमकर हड़काया है। पाकिस्तान ने हाल ही में भारत पर फिर से इस संधि को कमतर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। लेकिन, विदेश मंत्री ने उसे दुष्ट पड़ोसी कहकर उसकी खूब फजीहत की है। विदेश मंत्री ने साफ कर दिया है कि भारत को अपने अधिकारों का इस्तमाल कैसे करना है, यह तय करने का अधिकार भी उसी का है और इसमें कोई नाक घुसेड़ने की कोशिश ना

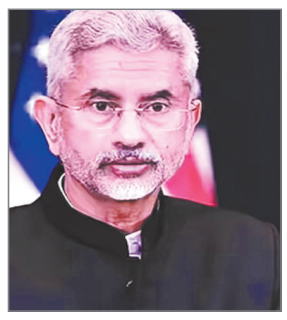

करे। शुक्रवार को आईआईटी मद्रास में एक कार्यक्रम के दौरान भारत की नेबरहुड पॉलिसी पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि हमें विभिन्न तरह के पड़ोसियों का सौभाग्य मिला है। दुर्भाग्य से हमें दुष्ट पड़ोसी भी मिले हैं। उन्होंने आगे कहा,अगर कोई देश जानबूझकर लगातार आतंकवाद में जुटा रहना चाहता है, तो हमें अपने लोगों की रक्षा करने का हक है और हम इसका इस्तेमाल करेंगे। हम अपने इन अधिकारों का इस्तेमाल किस तरह से करेंगे, यह हमपर निर्भर है, हमसे कोई नहीं कह सकता कि हमें क्या करना चाहिए, क्या नहीं। विदेश मंत्री ने कहा, कई साल पहले हमनें पानी साझा करने की व्यवस्था पर सहमति दी थी।

हमारे अधिकतर पड़ोसियों को समझ है

एस जयशंकर ने यह भी कहा है कि भारत की नेबरहुड पॉलिसी कॉमन सेंस से तय होती है। अच्छे पड़ोसियों के साथ भारत निवेश करता है, मदद करता है और शेयर करता है, चाहे वह कोविड के समय वैक्सीन हो,यूक्रेन संघर्ष के दौरान दी गई ईंधन और खाने-पीने की सहायता हो या फिर श्रीलंका को उसके वित्तीय संकट के समय दी गई 4 बिलियन डॉलर की सहायता हो।हमारे अधिकतर पड़ोसियों को यह समझ है कि भारत की ग्रोथ बढ़ी है।

पाकिस्तान सीमा पर 'बॉर्डर-2' की टीम करेगी हथियारों की पूजा

- बीएसएफ जवानों के बीच 'घर कब आओगे' गाना करेंगे लॉन्च

जैसलमेर (एजेंसी)। जैसलमेर में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर सनी देओल स्टार फिल्म 'बॉर्डर 2' का गाना घर कब आओगे बीएसएफ जवानों के बीच आज शाम लॉन्च किया जाएगा। इसके लिए अभिनेता वरुण धवन, अहान शेट्टी, सिंगर सोनू निगम और निर्माता भूषण कुमार जैसलमेर पहुंच गए हैं। तनोट माता मंदिर के सामने एम्फीथिएटर में सनी देओल, सोनू निगम, वरुण धवन और अहान शेट्टी गाने पर लाइव परफॉर्मेंस

देंगे। इस दौरान म्यूजिक डायरेक्टर मिथुन और गीतकार मनोज मुंतशिर भी मौजूद रहेंगे। अनुराग सिंह निर्देशित फिल्म बॉर्डर 2 की टीम तनोट माता मंदिर में दर्शन करने भी जाएगी। यहां वे तनोट माता की आरती में शामिल होंगे और हथियारों की पूजा भी करेंगे। सनी देओल का तनोट माता से जुड़ाव नया नहीं है। साल 2023 में फिल्म गदर 2 की रिलीज से पहले भी सनी देओल जैसलमेर आए थे। तनोट माता की आरती में शामिल होकर फिल्म की सफलता की मन्नत मांगी थी। गदर 2 ने देश में 500 करोड़ से ज्यादा का कारोबार किया और कई रिकॉर्ड बनाए। सनी देओल का मानना है कि तनोट माता की कृपा से उनके करियर को नई दिशा मिली।

पूर्व सैनिक स्वास्थ्य योजना को दुरुस्त करने के तत्काल कदम उठाए सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि पर्याप्त आवंटन नहीं होने से पूर्व सैनिकों के लिए सरकारी स्वास्थ्य योजना पूरी तरह से चरमरा गयी है इसलिए जरूरी कदम उठाते हुए सरकार को इसे दुरुस्त करने के तत्काल उपाय करने चाहिए।

कांग्रेस के पूर्व सैनिक विभाग के प्रमुख कर्नल रोहित चौधरी ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि गत 29 दिसंबर को रक्षा मामलों की संसदीय स्थायी समिति की बैठक हुई जिसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सैनिकों से जुड़े कई सवाल उठाते हुए कहा कि पूर्व सैनिकों की स्वास्थ्य योजना पूरी तरह से चरमराई हुई है। करीब 20 लाख जवानों के स्वास्थ्य उपचार बिल अभी पेंडिंग में है। बिल का ये आंकड़ा नौ हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का है।

उन्होंने कहा कि लंबित बिलों की यह राशि बताती है कि मोदी सरकार ने रक्षा के तंत्र और मैकेनिज्म को पूरी तरह से तबाह कर दिया है। अपनी पूरी जिंदगी देश के नाम कर देने वाले सैनिकों को जब इलाज की जरूरत है तो सरकार के पास बजट का आवंटन तक नहीं है। जवानों को भरोसा रहता है कि सेवानिवृत्ति के बाद सरकार उनका और उनके परिवार का ध्यान रखेगी, लेकिन मोदी सरकार इस भरोसे के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश कर रही है।

कर्नल चौधरी ने कहा कि 2003 में सरकार ने पूर्व सैनिकों के लिए पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) शुरु की और कहा था कि यह नकदी रहित और सीमा रहित योजना होगी। वहीं, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक-कैग की रिपोर्ट में बताया गया है कि इतने दिनों में पूर्व सैनिकों की तादाद बढ़ती जा रही है, लेकिन सरकार ने उसके हिसाब से न ढांचागत व्यवस्था तैयार किया है और न ही निधि को बढ़ाया गया है। कैग की रिपोर्ट बताती है कि सेना में जवानों की कमी है और जल्द से जल्द इसे पूरा किया जाए।

ईएससीएस की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने इसमें सुधार लाने की मांग की और कहा कि पूरी तरह से तबाही की कगार पर खड़ी इस योजना के लिए पर्याप्त राशि दी जानी चाहिए। उनका कहना था कि इस योजना के लिए साल 2023-24 में 13,500 करोड़ रुपए की जरूरत थी लेकिन बदले में सिर्फ 9,831 करोड़ रुपए मिले। तब कैरीफॉरवर्ड लायबिलिटी-सीएलएफ करीब 3,500 करोड़ रुपए थी जो 2024-2025 में 5,400 करोड़ रुपए हो गई। यही सीएलएफ अब 2025-2026 में 6,000 करोड़ रुपए हो जाएगी और यदि इसके लिए 8,000 करोड़ रुपए का बजट मिलता है तो पिछले साल के बिल के भुगतान में ही 6,000 करोड़ रुपए खर्च हो जाएंगे और सिर्फ 2,000 करोड़ रुपए ही बचेंगे।

कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार का पूर्व सैनिक कल्याण विभाग किसी भी हाल में ईएससीएचसी को चलाने में सक्षम नहीं है इसलिए इसे सीडीएस में डाल देना चाहिए और पूर्व सैनिक कल्याण विभाग ने ईसीएचएस की जो प्रशासनिक ताकत छीनी है उसे बहाल किया जाना चाहिए। उन्होंने इसके लिए 14 हजार करोड़ रुपए के आवंटन की मांग की और कहा कि लंबित बिलों का निपटारा किया जाना चाहिए। उनका कहना था कि पूर्व सैनिकों का मान-सम्मान के साथ इलाज होना चाहिए और अगर ऐसा नहीं होता है तो 30 जनवरी के बाद पूर्व सैनिक दिल्ली आएंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाँच हजार किलोमीटर दूर से जीवन रक्षा रोबोटिक सर्जरी ने बदली चिकित्सा की परिभाषा

इस उपलब्धि के साथ कुछ सवाल भी स्वाभाविक रूप से सामने आते हैं। क्या भविष्य में मशीनें डॉक्टरों की जगह ले लेंगी। क्या तकनीकी खराबी की स्थिति में मरीज की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। क्या हर अस्पताल इस तरह के महंगे सिस्टम को वहन कर पाएगा। विशेषज्ञ मानते हैं कि ये सभी सवाल जायज हैं, लेकिन हर नई तकनीक के साथ ऐसी आशंकाएं जुड़ी होती हैं। समय के साथ जैसे-जैसे तकनीक सस्ती और सुलभ होगी, इन चुनौतियों का समाधान भी निकलता जाएगा।

(लेखक - कांतिलाल मांडोत)

चिकित्सा विज्ञान के इतिहास में कुछ क्षण ऐसे होते हैं जो सिर्फ एक सफल उपचार भर नहीं होते, बल्कि भविष्य की दिशा तय करते हैं। मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में हाल ही में हुई रिमोट कंट्रोल रोबोटिक सर्जरी भी ऐसा ही एक क्षण है, जिसने यह साबित कर दिया कि अब इलाज की सीमाएं भूगोल से बंधी नहीं रहीं। चीन के शहर शंघाई में बैठे सर्जन ने मुंबई में मौजूद मरीजों पर सफलतापूर्वक दो जटिल ऑपरेशन किए। करीब पाँच हजार किलोमीटर की दूरी, अलग देश, अलग समय क्षेत्र और फिर भी सर्जरी में महज 132 मिलीसेकेंड की देरी। यह आंकड़ा अपने आप में आधुनिक तकनीक की विश्वसनीयता और सटीकता का प्रमाण है।

इस ऐतिहासिक सर्जरी में एक प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित मरीज और दूसरा किडनी रोग से जूझ रहा मरीज शामिल था। दोनों ही मामलों में टौमाई रोबोटिक सर्जरी सिस्टम का उपयोग किया गया, जिसने सर्जन के हाथों की बारीक से बारीक मूवमेंट को बिना किसी कंपकंपी या भ्रम के मुंबई के ऑपरेशन थिएटर में मौजूद रोबोटिक आर्म्स तक पहुंचाया। शंघाई में बैठे सर्जन के हाथ जैसे हिले, वैसे ही मुंबई में रोबोट ने प्रतिक्रिया दी। यह तालमेल किसी विज्ञान कथा जैसा लगता है, लेकिन यह आज की हकीकत बन चुका है।

इस सर्जरी से पहले भारत सरकार के सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन से विशेष अनुमति ली गई थी, क्योंकि यह न केवल तकनीकी दृष्टि से बल्कि नियामकीय और नैतिक दृष्टि से भी एक नया प्रयोग था। स्वास्थ्य सेवाओं में तकनीक के बढ़ते हस्तक्षेप के बीच सुरक्षा, डेटा ट्रांसमिशन और मरीज की गोपनीयता जैसे सवाल बेहद अहम होते हैं। कोकिलाबेन अस्पताल ने इन सभी पहलुओं पर पूरी तैयारी के साथ यह कदम उठाया और परिणाम ने यह साबित कर दिया कि भारत अब वैश्विक हेल्थकेयर इनोवेशन में अग्रणी भूमिका निभाने को तैयार है।

कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. टी. बी. युवराज के अनुसार, इस सफलता ने स्पेशलाइज्ड सर्जरी के क्षेत्र में बड़े बदलाव के द्वार खोल दिए हैं। उनका कहना है कि हाई क्वालिटी हेल्थकेयर में रिमोट रोबोटिक सर्जरी भविष्य की रीढ़ बन सकती है। मरीज कहां है, इससे अब फर्क नहीं पड़ेगा। अगर कहीं विशेषज्ञ सर्जन उपलब्ध नहीं है, तो वह दुनिया के किसी भी कोने से अपनी विशेषज्ञता का लाभ मरीज तक पहुंचा सकेगा। यह सोच न केवल इलाज को सुलभ बनाएगी, बल्कि चिकित्सा असमानताओं को भी कम करेगी।

अस्पताल के सीईओ डॉ. संतोष शेट्टी मानते हैं कि यह उपलब्धि एडवांस्ड और सुरक्षित डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के बिना संभव नहीं थी। हाई-स्पीड कनेक्टिविटी, अल्ट्रा-लो लेटेंसी नेटवर्क और रियल टाइम डेटा प्रोसेसिंग ने इस सर्जरी को सुरक्षित और प्रभावी बनाया। उन्होंने कहा कि तकनीक तभी सार्थक होती है जब वह मानव जीवन को बेहतर बनाए और यह सर्जरी उसी दिशा में एक मजबूत कदम है।

भारत जैसे विशाल और विविधता भरे देश में इस तकनीक की उपयोगिता और भी बढ़ जाती है। आज भी कई ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की भारी कमी है। ऐसे में अगर किसी गंभीर मरीज को बड़े शहर तक लाने में समय लगता है, तो उसकी जान जोखिम में पड़ सकती है। रिमोट रोबोटिक सर्जरी इस चुनौती का समाधान बन सकती है। विशेषज्ञ डॉक्टर महानगरों या यहां तक कि विदेशों में बैठकर भी मरीज का इलाज कर सकेंगे। यह सोच स्वास्थ्य सेवाओं के लोकतंत्रीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है।

रोबोटिक सर्जरी अपने आप में कोई नई अवधारणा नहीं है, लेकिन रिमोट कंट्रोल के जरिए इतने लंबे फासले से सर्जरी करना अब तक दुर्लभ रहा है। इससे पहले भी दुनिया के कुछ देशों में सीमित दूरी पर टेली-सर्जरी के प्रयोग हुए हैं, लेकिन पाँच हजार किलोमीटर की दूरी और वह भी कैंसर जैसी जटिल बीमारी में, इसे वैश्विक स्तर पर खास बना देती है। इसमें सर्जन की कुशलता के साथ-साथ मशीन की विश्वसनीयता और नेटवर्क की स्थिरता भी बराबर की भागीदार होती है।

मरीजों के नजरिए से देखें तो यह अनुभव किसी चमत्कार से कम नहीं। एक ऐसा मरीज, जो ऑपरेशन टेबल पर लेटा है और जानता है कि उसे ऑपरेट करने वाला डॉक्टर उसी शहर में नहीं, बल्कि हजारों किलोमीटर दूर किसी दूसरे देश में है, उसके लिए यह भरोसे की परीक्षा भी है। लेकिन जब ऑपरेशन सफल होता है और मरीज सुरक्षित रिकवरी की ओर बढ़ता है, तो तकनीक पर विश्वास और गहरा हो जाता है। यह विश्वास ही भविष्य में ऐसी सर्जरी को व्यापक स्वीकृति दिलाएगा।

डॉक्टरों को लंबे समय से 'नेक्स्ट टू गॉड' कहा जाता रहा है, क्योंकि वे जीवन और मृत्यु के बीच खड़े होकर फैसले लेते हैं। अब इस समीकरण में रोबोट भी शामिल हो गया है। मशीन, जो न थकती है, न घबराती है और न ही उसकी हाथों की स्थिरता में कमी आती है। हालांकि निर्णय आज भी इंसान ही लेता है, लेकिन उसे अंजाम देने में रोबोट की सटीकता नई ऊंचाइयों को छू रही है। यह सहयोग चिकित्सा विज्ञान को एक नए युग में ले जा रहा है।

इस उपलब्धि के साथ कुछ सवाल भी स्वाभाविक रूप से सामने आते हैं। क्या भविष्य में मशीनें डॉक्टरों की जगह ले लेंगी। क्या तकनीकी खराबी की स्थिति में मरीज की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

क्या हर अस्पताल इस तरह के महंगे सिस्टम को वहन कर पाएगा। विशेषज्ञ मानते हैं कि ये सभी सवाल जायज हैं, लेकिन हर नई तकनीक के साथ ऐसी आशंकाएं जुड़ी होती हैं। समय के साथ जैसे-जैसे तकनीक सस्ती और सुलभ होगी, इन चुनौतियों का समाधान भी निकलता जाएगा।

शिक्षा और प्रशिक्षण के क्षेत्र में भी इसका असर पड़ेगा। आने वाले समय में सर्जनों को न केवल पारंपरिक सर्जरी बल्कि रोबोटिक और टेली-सर्जरी में भी दक्ष होना पड़ेगा। मेडिकल कॉलेजों और ट्रेनिंग संस्थानों को अपने पाठ्यक्रम में इन तकनीकों को शामिल करना होगा। इससे एक नई पीढ़ी के डॉक्टर तैयार होंगे, जो तकनीक और मानवीय संवेदना के संतुलन के साथ इलाज कर सकेंगे।

वैश्विक स्तर पर देखें तो भारत की यह उपलब्धि उसकी सॉफ्ट पावर को भी मजबूत करती है। जब भारतीय अस्पताल और डॉक्टर इस तरह की उन्नत सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देते हैं, तो दुनिया का ध्यान स्वाभाविक रूप से भारत की ओर जाता है। यह न केवल मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देगा, बल्कि रिसर्च और टेक्नोलॉजी में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के नए रास्ते भी खोलेगा।

अंततः यह कहा जा सकता है कि कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में हुई यह रिमोट रोबोटिक सर्जरी सिर्फ दो मरीजों का सफल इलाज नहीं है, बल्कि भविष्य की झलक है। एक ऐसा भविष्य जहां दूरी मायने नहीं रखेगी, विशेषज्ञता सीमाओं में नहीं बंधी होगी और तकनीक मानवता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेगी। यह उपलब्धि हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि अगर आज पाँच हजार किलोमीटर दूर से सर्जरी संभव है, तो कल चिकित्सा विज्ञान हमें और किन चमत्कारों से रूबरू कराएगा।

(वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार,स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

मेहनतकशों की बेकद्री

बाजार आने-जाने के झंझट से बचा लोगों के घरों में तुरत-फुरत जीवन उपयोगी सामान पहुंचाने वाले गिग-वर्कर्स की जटिल कार्यपरिस्थितियां और पसीने का मोल न मिलना, बेहद चिंता की बात है। अपना व परिवार का पोषण करने वाले ये युवा अकसर सरपट मोटरसाइकिल दौड़ाते और सीढ़ियां चढ़कर ऊंची मंजिलों में दरवाजों तक सामान पहुंचाते देखे जा सकते हैं। बेहद कम मेहनताने, कंपनी मालिकों के दबाव व ग्राहकों की उपेक्षा झेलते गिग वर्कर्स ने नये साल की पूर्व संध्या पर हड़ताल करके अपनी बदहाली को ही उजागर किया है। संवेदनशील कार्य परिस्थितियों और नौकरी की असुरक्षा के चलते गिग-वर्कर्स हड़ताल पर थे। हालांकि, नये साल पर काम के दबाव व पूरी तरह संगठित न होने के कारण इनकी हड़ताल का कुछ ही इलाकों में असर देखा गया। पूरे देश में सामान की आपूर्ति बाधित हुई हो, ऐसा भी कोई समाचार नहीं मिला है। लेकिन गिग-वर्कर्स की विषम कार्य-परिस्थितियों की ओर पूरे देश का ध्यान जरूर गया है। पिछले दिनों आप के राघव चड्ढा और राजद के मनोज कुमार झा जैसे सांसदों ने गिग वर्कर्स के शोषण का मुद्दा संसद में उठाया था। निस्संदेह, देश की गिग अर्थव्यवस्था ने रोजगार सृजन में अपनी क्षमता साबित की है। विडंबना है कि भारत युवाओं को देश का कहा जाता है, लेकिन हम उनकी आकांक्षाओं का रोजगार नहीं दे पा रहे हैं। दरअसल, गिग-वर्कर्स की प्रमुख मांग है कि उनके काम का बेहतर भुगतान हो और उनके लिये बेहतर कामकाजी परिस्थितियां बनायी जाएं। उनकी इस हड़ताल ने इन मुद्दों पर देश का ध्यान खींचा है। लेकिन देश के प्रमुख खाद्य वितरण करने वाली कंपनी ने 31 दिसंबर को इस हड़ताल के बावजूद ऑर्डर में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की। वहीं थके-हारे बाइकर्स अपनी अनगिनत शिकायतें व्यक्त करते रहे। दरअसल, विडंबना यह है कि खूब काम लेने के बावजूद गिग-वर्कर्स को पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी के दायरे से बाहर आजीविका कमाने वाले व्यक्तियों के रूप में परिभाषित किया जाता है। दरअसल, गिग-वर्कर्स को नई अर्थव्यवस्था में नियोक्ता एक कर्मचारी के रूप में नियुक्त करने के दायित्व से बचने का प्रयास करते हैं। लेकिन नियोक्ताओं की हायर व फायर की रणनीति के चलते, वे असुरक्षित कार्य परिस्थितियों में काम करने को बाध्य होते हैं। इसके बावजूद वे आज शहरी जीवन व्यवस्था के लिये अभिन्न अंग बन गए हैं। लोगों की छोटी-छोटी जरूरतों के लिए दौड़ते रहते हैं। वे सामान दस मिनट तक दरवाजे पर पहुंचाने के दबाव में हांफते-भागते, मोटरसाइकिल दौड़ाते और सीढ़ियों पर सामान चढ़ाते अकसर नजर आते हैं। आम तौर पर उपभोक्ताओं का व्यवहार भी अच्छा नहीं होता। देरी होने पर इन्हें झिड़का जाता है। सामान में नुक्स निकालकर इन्हें दौड़ाया जाता है। आज भारत में इनकी संख्या सवा करोड़ से अधिक है। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक इन कामगारों की संख्या दो करोड़ पैंतीस लाख तक हो सकती है। निश्चित रूप से आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र की अनदेखी नहीं की जा सकती। लेकिन फिलहाल स्थिति यह है कि मेहनताने में कटौती, जरा सी चूक पर आर्थिक दंड तथा समय से पहले पहुंचाने के दबाव से गिग-वर्कर्स त्रस्त हैं। मुश्किल परिस्थितियों में काम करते रहने के बावजूद ये कामगार हड़ताल में बड़ी संख्या में भाग नहीं ले पाये।

पहली महिला शिक्षक सावित्रीबाई फुले जिन्होंने की बालिका शिक्षा की शुरुआत

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

(190 वीं जयंती 3 जनवरी पर)

पहली महिला शिक्षिका और समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले ने कन्या शिशु हत्या को रोकने के लिए भी काम किया।

उनके पति ज्योतिराव, जो बाद में ज्योतिबा के नाम से जाने गए। दलित महिलाओं के उत्थान के लिए काम करने, छुआछूत के खिलाफ आवाज उठाने के कारण जब वह स्कूल जाती थीं, तो उनके विरोधी उन्हें पत्थर मारते थे। कई बार उनके ऊपर गंदगी फेंकी गई। सावित्रीबाई फुले एक साड़ी अपने थैले में लेकर चलती थीं और स्कूल पहुंच कर गंदी हुई साड़ी बदल लेती थीं। 1848 में पुणे के भिड़ेवाड़ी इलाके में अपने पति के साथ मिलकर विभिन्न जातियों की 9 छात्राओं के लिए इस विद्यालय की स्थापना की। एक वर्ष में सावित्रीबाई फुले और महात्मा ज्योतिबा फुले 5 नए विद्यालय खोलने में सफल हुए। पुणे में पहले स्कूल खोलने के बाद फूले दंपति ने 1851 में पुणे के रास्ता पेठ में लड़कियों का दूसरा स्कूल खोला और 15 मार्च 1852 में बताल पेठ में लड़कियों का तीसरा स्कूल खोला। उनकी बनाई हुई संस्था सत्यशोधन समाज ने 1876 और 1879 के अकाल में अन्न सत्र चलाया और अन्न इकटठा करके आश्रम में रहने वाले 2000 बच्चों को खाना खिलाने की व्यवस्था की। सावित्रीबाई ने स्कूल में छात्राओं को पढ़ाने के साथ-साथ समाज में व्याप्त बुराइयों के खिलाफ भी लड़ाई लड़ी। उन्होंने 28 जनवरी 1853 को बाल हत्या प्रतिबंधक गृह की स्थापना की। उन्होंने विधवा पुनर्विवाह सभा का आयोजन किया। जिसमें महिलाओं सम्बन्धी समस्याओं का समाधान किया जाता था। सन् 1890 में महात्मा ज्योतिबा फुले की मृत्यु के बाद सावित्रीबाई ने उनके अधूरे कार्यों को पूरा करने का प्रयास किया। प्लेग के मरीजों की देखभाल करने के दौरान सावित्रीबाई की मृत्यु 10 मार्च सन 1897 को हुई। उनके पिता का नाम खन्दोजी नेवसे और माता का नाम लक्ष्मी था। उन्हें आधुनिक मराठी काव्य का अग्रदूत माना जाता है। उन्होंने देश के पहले किसान स्कूल की भी स्थापना की थी देश मे 19वीं सदी तक स्त्रियों के कोई अधिकार नही थे, इन अधिकारों को प्राप्त करने व अशिक्षा, छुआछूत, सतीप्रथा, बाल या विधवा-विवाह जैसी कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाकर देश की पहली महिला शिक्षिका बनी थीं महाराष्ट्र में जन्मीं सावित्री बाई फुले। जिन्होंने अपने पति समाज सुधारक ज्योति राव फुले से पढ़कर सामाजिक चेतना फैलाई और नारी जाति का मान बढ़ाया।उन्होंने अंधविश्वास और रूढ़ियों की बेड़ियां तोड़ने के लिए लंबा संघर्ष किया था। सावित्रीबाई फुले 3जनवरी सन1831 में महाराष्ट्र के सतारा जिले में स्थित नायगांव में पैदा हुई थीं। मात्र 9 साल की छोटी उम्र में पूना के रहने वाले ज्योति राव फुले के साथ उनकी शादी हो गई थी, विवाह के समय सावित्री बाई फुले पूरी तरह अनपढ़ थीं, जबकि उनके पति तीसरी कक्षा तक पढ़े हुए थे।वह भी पढ़ना चाहती थी, जिस दौर में वो पढ़ने का सपना देख रही थीं, तब वंचितों के साथ बहुत भेदभाव होता था, एक दिन सावित्रीबाई अंग्रेजी की किसी किताब के पन्ने पलट रही थीं, तभी उनके पिताजी ने देख लिया, वह दौड़कर आए और किताब हाथ से छीनकर घर से बाहर फेंक दी। वे बोले शिक्षा का हक़ केवल उच्च जाति के पुरुषों को ही है, दलित और महिलाओं को शिक्षा ग्रहण करना पाप है,ऐसा उन्होंने उस समय कहते है बताया तो उसी दिन सावित्री फेंकी गई किताब वापस लाकर प्रण कर बैठीं कि कुछ भी हो जाए वह एक न एक दिन पढ़ना जरूर सीखेंगी।ऐसा हुआ भी,अपने मजबूत इरादों के बल पर सावित्री बाई न सिर्फ पढ़ी बल्कि सावित्रीबाई फुले देश ही नही दुनिया की पहली महिला शिक्षिका भी बन गई। उन्होंने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भरसक प्रयास किये थे। उनके पति ने ही सावित्रीबाई के सपने को पूरा करने के लिए शिक्षा ग्रहण करने की इजाजत दी थी,साथ ही अक्षरज्ञान भी उन्होंने ही कराया। शादी के बाद सावित्रीबाई पढ़ने के लिए स्कूल जाने लगीं, उनका काफी विरोध भी काफी हुआ। उन्हें रोकने के लिए लोग सावित्री बाई फुले पर पत्थर मारते थे। कूड़ा और कीचड़ फेंकते थे,लेकिन सावित्री बाई फुले ने हार नहीं मानी और पढ़ाई पूरी करके शिक्षिका बनने का स्वप्न पूरा किया।

सावित्रीबाई को महसूस हुआ कि देश में उन जैसी कितनी ही लड़कियां होंगी जो पढ़ना चाहती है। शिक्षा ग्रहण करने के लिए बालिकाओं को संघर्ष न करना पड़े, इसके लिए सावित्री बाई फुले ने सन 1848 में महाराष्ट्र के पुणे में देश का पहला बालिका स्कूल स्थापित किया। बाद में उन्होंने लड़कियों के लिए 18 स्कूलों का निर्माण कराया।इसलिए हम कह सकते है कि सावित्रीबाई फुले एक समाज सेविका ही नहीं, बल्कि देश दुनिया की पहली महिला शिक्षक व देश के पहले बालिका स्कूल की प्रधानाचार्य भी बन गईं थी। 66 वर्ष की उम्र में सावित्रीबाई फुले का 10 मार्च सन1897 को निधन हो गया था। सावित्रीबाई ने सन 1848 से लेकर सन1852 के बीच लड़कियों के लिए 18 स्कूल खोले थे। सावित्रीबाई ने सिर्फ शिक्षा के लिए ही नहीं, बल्कि देश में मौजूद कई कुरीतियों के खिलाफ भी आवाजा उठाई।उन्होंने छुआ-छूत, बाल-विवाह, सती प्रथा और विधवा विवाह निषेध जैसी कुरीतियों का विरोध किया और इनके खिलाफ जीवनपर्यंत लड़ती रहीं।ऐसी महान नारी शक्ति के जन्मदिवस पर उन्हें शत शत नमन।

(लेखक विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ के उपकुलपति व वरिष्ठ साहित्यकार है)

धर्मराज युधिष्ठिर ने निभाया था भ्रातृ धर्म

चिंतन मनन

गहन वन से तृषार्त पाण्डव गुजर रहे थे। पानी की तलाश में वे इधर-उधर घूम ही रहे थे कि अकस्मात उन्हें एक सरोवर दिखाई दिया। भीम, अर्जुन, नकुल और सहदेव जल पीने के पूर्व ही मृत्यु का ग्रास बन गए। कारण यह था कि एक यक्ष ने उनसे प्रश्न किए थे, किंतु उन्होंने उस ओर ध्यान नहीं दिया और बिना जवाब दिए ही पानी पीने लगे। लेकिन वे यक्ष का कोपभाजन बने और उन्हें मृत्यु प्राप्त हुई। इतने में युधिष्ठिर आए और पानी पीने की कोशिश करने लगे। उनसे भी यक्ष ने प्रश्न किए, जिनके युधिष्ठर ने समुचित उत्तर दे दिए। तब यक्ष ने प्रसन्न होकर कहा, तुम जल पीने के अधिकारी हो। मेरी इच्छा है कि तुम्हारे चारों भ्राताओं में से किसी एक को जीवन दान दूं। बोलो, मैं किसे पुनर्जीवित करूं?

प्रश्न बड़ा ही विचित्र था और साथ ही कठिन भी, क्योंकि युधिष्ठिर को चारों भाई एक समान प्रिय थे, तथापि एक क्षण भी सोचे बिना वे बोले, यक्षश्रेष्ठ आप नकुल को ही जीवन दान दें। यक्ष हंस पड़ा और बोला, धर्मराज, कौरवों से युद्ध में भीम की गदा और अर्जुन का गांडीव बड़ा ही उपयोगी सिद्ध होगा। इन दो सगे भाइयों को छोड़कर नकुल का जीवन क्यों चाहते हो। धर्मराज बोले, यक्षश्रेष्ठ हम पांचों भ्राता ही माताओं के स्नेह चिह्न हैं। माता पुंती के पुत्रों से मैं शेष हूं, किंतु माद्री मां के तो दोनों ही पुत्र मर चुके हैं। अत? यदि एक के ही जीवन का प्रश्न है, तो माद्री मां के नकुल का ही पुनर्जीवन इष्ट है। यक्ष ने सुना, तो भावविह्वल हो

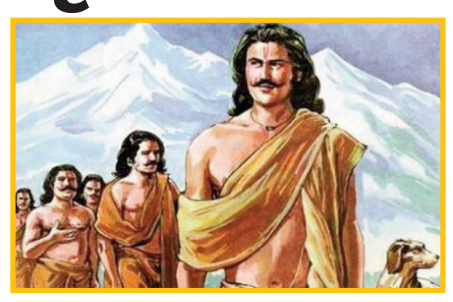

बोला, युधिष्ठिर तुम धर्मतत्व के ज्ञाता हो, मैं तो सिर्फ तुम्हारी परीक्षा ले रहा था कि तुम वास्तव में धर्म के अवतार हो या नहीं। अतएव मैं चारों भाईयों को जीवन देता हूं।

विचार मंथन

2026 का वर्ष, सत्ता पक्ष के लिए चुनौती?

(लेखक-सनत जैन)

-इस साल होने हैं 6 राज्यों में विधानसभा चुनाव

साल 2026 भारतीय राजनीति के लिए निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है। यह वर्ष केवल कुछ राज्यों के विधानसभा चुनावों तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाला समय यह भी तय करेगा, राष्ट्रीय राजनीति की धुरी किस दिशा में घूमेगी। एक ओर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) अपने सियासी विस्तार को दक्षिण और पूर्वी भारत तक फैलाने के इरादे से चुनाव मैदान में उतर रही है, दूसरी ओर कांग्रेस के सामने अपनी खोई हुई राजनीतिक जमीन को दोबारा हासिल करने की चुनौती है। इसके साथ वाम दलों और तृणमूल कांग्रेस एवं अन्य क्षेत्रीय शक्तियों के लिए भी 2026 का वर्ष किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है। बीजेपी के लिए 2026 इसलिए अहम है, क्योंकि जिन पांच राज्यों—असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी—में चुनाव होने हैं, उनमें से केवल असम में उसकी पूर्ण बहुमत की सरकार, और पुडुचेरी में वह सहयोगी दलों के सहारे सत्ता में है। असम में बीजेपी पिछले दस वर्षों से सत्ता में है। अब उसके सामने जीत की हैट्रिक लगाने की चुनौती है। हालांकि यह राह आसान नहीं दिख रही है। कांग्रेस ने गौरव गोगोई के नेतृत्व में राज्य में नई ऊर्जा दिखाई है, जिससे असम में मुकाबला कड़ा होने की संभावना है। कांग्रेस असम में मजबूत प्रदर्शन करती है, तो बीजेपी की पूर्वोत्तर रणनीति को बड़ा झटका लग सकता है। पुडुचेरी में भी एनडीए सरकार की स्थिति अस्थिर मानी जा रही है। आंतरिक कलह और कमजोर जनाधार के कारण यहां सत्ता में वापसी बीजेपी के लिए कठिन हो सकती है। वहीं पश्चिम बंगाल में दशकों से कमल खिलाने का सपना अभी तक पूरा नहीं हो पाया है। ममता बनर्जी की बंगाल की सत्ता पर मजबूत पकड़ है। बीजेपी घुसपैठ और राष्ट्रवाद जैसे मुद्दों को उठाकर माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। बंगाली अस्मिता और मुस्लिम वोट बैंक ममता के लिए बड़ी ताकत हैं। दक्षिण भारत बीजेपी के लिए अभी भी सबसे बड़ी चुनौती है। तमिलनाडु और केरल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता उत्तर भारत जैसी असरदार नहीं है। 2024 के लोकसभा चुनाव में तमिलनाडु में बीजेपी का खाता नहीं खुलना, इस सच्चाई को रेखांकित करता है। यहां भाजपा अपने गठबंधन सहयोगियों पर निर्भर है। केरल में बीजेपी तीसरे विकल्प के रूप में खुद को स्थापित करने की कोशिश कर रही है। तिरुवनंतपुरम के निकाय चुनाव में मिली सफलता से भाजपा का उत्साह जरूर बढ़ा है। केरल की पारंपरिक द्विध्रुवीय राजनीति को तोड़ना अभी भी भाजपा के लिए कठिन है। कांग्रेस के लिए 2026 में जिन राज्यों में चुनाव होने हैं, उनमें वह केवल तमिलनाडु की डीएमके की जूनियर पार्टनर के रूप में शामिल है। भारत जोड़ो यात्रा के बाद 2024 में कांग्रेस ने वापसी के संकेत दिए थे। 2025 में पार्टी फिर से संगठनात्मक कमजोरी और आंतरिक मतभेदों से जूझ रही है। 2026 में भी कांग्रेस ठोस जीत दर्ज नहीं कर पाती, तो उसका राष्ट्रीय विकल्प बनना और मुश्किल हो जाएगा। कांग्रेस की उम्मीद केरल और असम से जुड़ी हैं। केरल में यूडीएफ और एलडीएफ के बीच सीधा मुकाबला है। कांग्रेस के भीतर, नेतृत्व को लेकर खींचतान उसकी राह कठिन बना रही है। गुटबाजी और मुख्यमंत्री पद को लेकर अटकलें केरल में कांग्रेस को नुकसान पहुंचा सकती हैं। असम में कांग्रेस वापसी की कोशिश कर रही है। वाम दलों के लिए 2026 अस्तित्व की लड़ाई है। बंगाल और त्रिपुरा से सत्ता गंवाने के बाद अब केवल केरल ही उनका आखिरी मजबूत गढ़ बचा है। यदि केरल में वाम की हार होती है, तो राष्ट्रीय राजनीति में वामपंथ की प्रासंगिकता पर गंभीर सवाल खड़े हो जाएंगे। दूसरी ओर, ममता बनर्जी के लिए भी यह चुनाव आसान नहीं है। पंद्रह साल की सत्ता के बाद सत्ता विरोधी लहर, बीजेपी का आक्रामक अभियान और कांग्रेस-वाम गठजोड़ की चुनौती— इन सब से निपटना उनके लिए यह चुनाव बड़ी परीक्षा होगी। तमिलनाडु में डीएमके का गढ़ फिलहाल मजबूत नजर आता है। जयललिता के बाद एआईएडीएमके का बिखराव और आंतरिक संघर्ष मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के लिए राहत है। हालांकि पांच साल की सत्ता के बाद उभरने वाला असंतोष और बीजेपी के प्रयास विपक्ष को नई ऊर्जा दे सकते हैं। कुल मिलाकर, 2026 सिर्फ चुनावी वर्ष नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति की नई दिशा तय करने वाला पड़ाव है। केन्द्र सरकार के सामने जिस तरह से आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा के अंदर भी नेतृत्व को लेकर संघ और संगठन के बीच मतभेद अभर कर सामने आ रहे हैं। बढ़ती मंहगाई, बेरोजगारी और कर्ज के बोझ से आम जनता दबी हुई है। जन-रोष सारे देश में विभिन्न मांगों को लेकर सड़कों पर आ रहा है। 2014 में जो वादे भाजपा ने किए थे, अच्छे दिनों का जो सपना दिखाया था, वह सब जुमले साबित हुए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मारुति सुजुकी जल्द तय करेगी छोटी कारों की कीमतें

मुंबई । मारुति सुजुकी इंडिया ने सितंबर में अपनी छोटी कारों की कीमतों में कटौती की थी। यह कदम उस समय आया जब सरकार ने छोटी कारों पर जीएसटी दरों में कमी की घोषणा की थी। कंपनी ने अपने स्तर पर भी कीमतें घटाकर ग्राहकों तक कारों की पहुंच बढ़ाने का प्रयास किया। उदाहरण के तौर पर, एस-प्रेसो मॉडल की कीमतों में 1,29,600 रुपये तक, ऑल्टो के 10 मॉडल में 1,07,600 रुपये तक, सेलेरियो मॉडल में 94,100 रुपये तक और वैगन-आर मॉडल में 79,600 रुपये तक कटौती की गई। मारुति सुजुकी के एक वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने संवाददाताओं से कहा कि छोटी कारों के लिए यह रणनीतिक मूल्य निर्धारण अधिक लोगों तक कारों की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए किया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कदम बिक्री बढ़ाने के साथ-साथ ग्राहकों को किफायती विकल्प देने के मकसद से उठाया गया था। पार्थो बनर्जी ने कहा कि कंपनी जल्द ही तय करेगी कि क्या कीमतों को केवल जीएसटी कटौती वाले स्तर पर वापस लाया जाए या रणनीतिक मूल्य निर्धारण जारी रखा जाए। उन्होंने यह भी बताया कि इस बीच बुकिंग कर चुके ग्राहकों को अगले 15-20 दिनों तक सेवा दी जाएगी।

देवयानी और सफायर फूड्स का होगा विलय

मुंबई । देवयानी इंटरनेशनल लिमिटेड (डीआईएल) और सफायर फूड्स इंडिया लिमिटेड (एसएफआईएल) ने अपने निदेशक मंडलों की बैठक में विलय की योजना को मंजूरी दी। इस विलय के बाद संयुक्त कारोबार लगभग 8,000 करोड़ रुपये होगा। एसएफआईएल के प्रत्येक 100 शेयर के बदले डीआईएल के 177 शेयर जारी किए जाएंगे। एसएफआईएल के संचालकों के पास मौजूद 25.35 फीसदी हिस्सेदारी में से 18.5 फीसदी डीआईएल की समूह कंपनी आर्कटिक इंटरनेशनल खरीदेगी। संयुक्त इकाई केएफसी, पिज्जा हट, टेको बेल के साथ-साथ कोस्टा काफी, टी लाइव और सेनुक किचन जैसे अन्य ग्लोबल क्यूएसआर ब्रांड का संचालन करेगी। यह भारत, नाइजीरिया, नेपाल, थाईलैंड और श्रीलंका में सक्रिय होगी। डरआईएल के चेयरमैन के अनुसार विलय से लागत बचत, आपूर्ति श्रृंखला और प्रौद्योगिकी में सुधार होगा। एसएफआईएल के एक अधकारी ने इसे भारत में केएफसी और पिज्जा हट का एकीकृत संचालन और दीर्घकालिक साझेदारी का प्रतीक बताया।

भारत का विनिर्माण सेक्टर 2025 में स्थिर, लेकिन विकास की गति धीमी

- नए निर्यात ऑर्डर पिछले 14 महीनों में सबसे कम बढ़े

मुंबई ।

एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की अर्थशास्त्र कार्यकारी निदेशक ने कहा कि भारत का विनिर्माण उद्योग 2025 के अंत तक अच्छी स्थिति में रहा, हालांकि वृद्धि की गति धीमी रही। नए व्यवसायों में आई तेजी ने कंपनियों को वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही में व्यस्त रहने की उम्मीद दी। मुद्रास्फीति पर दबाव कम होने से मांग बनी रही। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई सर्वेक्षण के अनुसार, कई मापदंडों में वृद्धि की गति धीमी हुई। उत्पादन वृद्धि 38 महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गई, जबकि नए ऑर्डर दो साल में सबसे कमजोर उछाल दर्ज कराए। कुल बिक्री में मंदी का एक कारण अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर में धीमी वृद्धि भी रही। नए निर्यात ऑर्डर पिछले 14 महीनों में सबसे कम बढ़े। हालांकि, एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया के ग्राहकों से बेहतर मांग देखने को मिली। कच्चे माल की लागत में ऐतिहासिक रूप से नगण्य वृद्धि रही, और 'मूल्य मुद्रास्फीति' नौ महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गई। सर्वेक्षण में कहा गया कि वर्तमान अवधि में रोजगार सृजन की गति सबसे कम रही। इसके बावजूद भारतीय उत्पादक 2026 में उत्पादन में बढ़ोतरी की उम्मीद रखते हैं। हालांकि समग्र भावना लगभग ढाई साल में सबसे निचले स्तर पर है। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई, एसएंडपी ग्लोबल द्वारा करीब 400 कंपनियों के क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया गया है।

नए साल के दूसरे दिन दिखा कीमती धातुओं में उतार-चढ़ाव

दिल्ली में सोना 1.35 लाख के पार, चांदी का भाव 2,37,900 प्रति किलोग्राम

मुंबई । नए साल 2026 की शुरुआत के साथ ही सोने और चांदी की कीमतों में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। वर्ष 2025 में जहां सोने ने शानदार तेजी दिखाई, वहीं चांदी ने भी रिकॉर्ड तोड़ते हुए ऑल टाइम हाई का स्तर छू लिया था। हालांकि 2 जनवरी 2026 को चांदी की कीमतों में हल्की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि सोने के भाव में मामूली उछाल देखने को मिला है। राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को 24 कैरेट सोने का भाव 1,35,220 प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,23,960 और 18 कैरेट सोना 1,01,450 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ, जयपुर, मेरठ और लुधियाना जैसे कई बड़े शहरों में भी सोने के भाव लगभग समान बने हुए हैं। मुंबई, पुणे और कोलकाता में सोने की कीमतें थोड़ी कम देखने को मिली हैं। देश के प्रमुख शहरों में चांदी का भाव 2,37,900 प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया है। दिल्ली, मुंबई, पटना, अहमदाबाद, पुणे, कोलकाता समेत सभी बड़े शहरों में चांदी एक समान दर पर बिक रही है। साल की शुरुआत में चांदी की कीमतों में यह गिरावट निवेशकों के लिए अहम संकेत मानी जा रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की आक्रामक खरीदारी, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में संभावित कटौती की उम्मीद, अमेरिकी टैरिफ को लेकर चिंताएं और वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव ने सोने-चांदी की कीमतों को मजबूती दी है।

असम में चाय बागान मजदूरों को मिलेगा जमीन का मालिकाना हक

- जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू

गुवाहाटी । असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने घोषणा की है कि चाय उद्योग के 200 साल बाद अब मजदूरों को उनकी जमीन और घर का पूरा मालिकाना हक मिलेगा। उन्होंने कहा कि जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और मजदूरों को उनका हक मिलेगा। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से बातचीत में बताया कि सरकार ने नवंबर विधानसभा शीतकालीन सत्र में असम फिक्सेशन ऑफ सीलिंग ऑफ लैंड होल्डिंग्स (संशोधन) कानून, 2025' बनाया था। यह कानून उन मजदूरों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए लाया गया है, जो पिछले 200 सालों से चाय बागानों में काम कर रहे हैं। शर्मा ने बागान मालिकों को चेताया कि अगर वे मजदूरों को हक देने से इनकार करेंगे तो सरकार उनकी मिलने वाली वित्तीय सहायता रद्द कर सकती है। उन्होंने बताया कि सरकार हर साल बागानों को करीब 150 करोड़ रुपये देती है। कांग्रेस के असम अध्यक्ष गौरव गोगोई ने इस कानून पर सवाल उठाते हुए कहा कि चुनाव से केवल चार महीने पहले यह कानून लाना संदिग्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य लंबे समय से चले आ रहे अन्याय को सुधारना है और मजदूरों को उनका हक दिलाना है।

रुपए गिरावट पर बंद

मुंबई ।

भारतीय रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 23 पैसे टूटकर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सीमित दायरे में कारोबार करता नजर आया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 6 पैसे की बढ़त के साथ 89.92 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। इससे पहले गुरुवार को रुपया 89.98 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, रुपये में सीमित उतार-चढ़ाव का मुख्य कारण भारतीय रिजर्व बैंक की वह रणनीति है, जिसके तहत वह 90 के स्तर को बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। इसके चलते बाजार में अत्यधिक कमजोरी या मजबूती देखने को नहीं मिल रही है। घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख से रुपये को समर्थन मिला, लेकिन विदेशी निवेशकों द्वारा लगातार पूंजी निकासी ने इस असर को काफी हद तक कम कर दिया। वहीं, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति बताने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 फीसदी की गिरावट के साथ 98.17 पर रहा।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 573.41, निफ्टी 182 अंक उछला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 573.41 अंक करीब 0.67 ऊपर आकर 85,762.01 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 182 अंक बढ़कर 26,328.55 पर पहुंच गया। आज कारोबार के दौरान नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का मुख्य सूचकांक (निफ्टी) 26,340 के नये शीर्ष स्तर पर पहुंचा।

बाजार में तेजी सरकारी और एनर्जी शेयरों के कारण आई। निफ्टी पीएसई , निफ्टी एनर्जी, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी रियल्टी , निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी मेटल फीसदी और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स तेजी के साथ बंद हुए। मुख्य सूचकांकों में केवल निफ्टी एफएमसीजी ही गिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 615.45 अंक की तेजी के साथ 61,365.90 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 127.15 अंक की बढ़त के साथ 17,832.05 पर था।

बीएसई पर 2,772 शेयर लाभ के साथ ही ही ऊपर आये जबकि 1,449 शेयर टूटे हैं जबकि 150 शेयरों में कोई बदलाव नहीं दिखा। सेंसेक्स पैक में एनटीपीसी, ट्रेंट, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, एसबीआई, मारुति सुजुकी, बीईएल, आईसीआईसीआई बैंक, एचयूएल, एमएंडएम, एचडीएफसी बैंक, एशियन पेंट्स, टीसीएस, इन्फोसिस, सन फार्मा, एलएंडटी, अदाणी पोर्ट्स और टाटा स्टील के शेयर लाभ में रहे जबकि आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल, इंडिगो और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर गिरे।

इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले। शुरुआती कारोबार के बाद भी बाजार में खरीदारी का रुझान बना रहा। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 336.25 अंक की बढ़त के साथ 85,524.85 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एनएसई निफ्टी-50 ने 26,155 के स्तर पर मजबूत शुरुआत के बाद 104.50 अंक चढ़कर 26,251 पर पहुंच गया। वहीं एशियाई बाजारों में शुक्रवार को नए साल की शुरुआत मिले-जुले रुख के साथ हुई। लेकिन बाद में

बाजार तेजी में आ गए। दक्षिण कोरिया का कोस्पी नया रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। यह इंडेक्स 0.21 फीसदी चढ़ा और इस दौरान 4,239.88 का अब तक का सबसे ऊंचा स्तर छुआ। वहीं स्मॉल-कैप कोसडैक ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 1.32 फीसदी की बढ़त दर्ज की। जापान और चीन समेत कई एशियाई बाजार छुट्टियों के कारण बंद रहे। ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.11 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार करता दिखा। सिंगापुर ने उम्मीद से बेहतर आर्थिक वृद्धि दर्ज की। एशियाई कारोबार के शुरुआती घंटों में अमेरिकी शेयर फ्यूचर्स में हल्की तेजी देखी गई। वहीं वॉल स्ट्रीट पर अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 में 0.74 फीसदी, नैस्डैक कंपोजिट में 0.76 फीसदी और डाओ जोंस में 0.63 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई।

केएफसी और पिज्जा हट के ऑपरेटर सफायर फूड्स का डीआईएल में बड़ा मर्जर

- देवयानी इंटरनेशनल, सफायर फूड्स के हर 100 शेयर के बदले 177 शेयर जारी करेगी

मुंबई ।

सफायर फूड्स इंडिया लिमिटेड, जो भारत में केएफसी और पिज्जा हट के ऑपरेशन्स चलाती है, अब देवयानी इंटरनेशनल लिमिटेड (डीआईएल) में मर्ज होने जा रही है। इसे पिज्जा-बर्गर सेगमेंट का अब तक का सबसे बड़ा मर्जर माना जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह कदम ऐसे समय में लिया गया है जब देश में फास्ट-फूड फ्रेंचाइजी को घटती बिक्री और मार्जिन के दबाव का सामना करना पड़ रहा है। प्रस्तावित डील के तहत देवयानी इंटरनेशनल, सफायर फूड्स के हर 100 शेयर के बदले 177 शेयर जारी करेगी। संयुक्त इकाई से अगले पूरे वर्ष से सालाना 210 करोड़ रुपए से 225 करोड़ रुपए तक का फायदा होने की उम्मीद है। इसके अलावा आर्कटिक इंटरनेशनल, मौजूदा प्रमोटरों से सफायर फूड्स की करीब 18.5 फीसदी पेड-अप इक्विटी खरीदने वाली है। इस मर्जर को प्रभावी होने के लिए कई नियामकीय मंजूरियां जरूरी हैं, जिनमें स्टॉक एक्सचेंज, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई), राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण के साथ-साथ दोनों कंपनियों के शेयरधारकों और लेनदारों की स्वीकृति शामिल है। पूरी प्रक्रिया में करीब 12 से 15 महीने का समय लग सकता है। देवयानी इंटरनेशनल और इसके पार्टनर कंपनियां भारत और विदेशों में

3,000 से अधिक आउटलेट चलाती हैं। मर्जर के बाद कंपनी भारत की सबसे बड़ी क्यूएसआर कंपनियों में शामिल हो जाएगी। इस कदम के बाद शेयर बाजार में भी तेजी आई, और देवयानी इंटरनेशनल के शेयर इंट्रा-डे में 8त्न तक बढ़कर 159.45 रुपए तक पहुंच गए।

कोल इंडिया का दिसंबर में उत्पादन 4.6 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई ।

कोल इंडिया ने दिसंबर 2025 में 7.57 करोड़ टन कोयला उत्पादन किया, जो दिसंबर 2024 के 7.24 करोड़ टन से 4.6 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने कहा कि यह उत्पादन अपनी आठ अनुषंगी कंपनियों के सहयोग से हासिल किया गया। हालांकि, इस महीने में कोयले की आपूर्ति यानी उठाव 6.49 करोड़ टन रही, जो पिछले साल के इसी महीने के 6.85 करोड़ टन से 5.2 प्रतिशत कम है। इसका मतलब है कि उत्पादन बढ़ने के बावजूद आपूर्ति में कमी आई है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली नौ महीनों में कोल इंडिया का कुल उत्पादन 52.92 करोड़ टन रहा, जो पिछले साल की 54.34 करोड़ टन से 2.6 प्रतिशत कम है। इसी अवधि में कुल उठाव 54.47 करोड़ टन रहा, जो पिछले साल 55.7 करोड़ टन से 2.2 प्रतिशत घट गया।

भारत में 2025 में वाहनों का पंजीकरण 2.8 करोड़ पार

- मारुति सुजूकी ने 17.8 लाख वाहनों के साथ 2025 में अपना दबदबा कायम रखा

नई दिल्ली ।

दो-पहिया ईवीएस में इस साल 12 लाख से अधिक पंजीकरण हुए, जो 2024 की तुलना में लगभग 12 फीसदी अधिक हैं और पूरे दोपहिया बाजार का 6.2 फीसदी बनाते हैं। चार ओईएम के लिए कुल पंजीकरण की संख्या लगभग 35 लाख वाहन बढ़ गई जो मजबूत त्योहारी सीजन और एसयूवी की निरंतर मांग के बल पर कैलेंडर वर्ष 2024 की तुलना में सालाना आधार पर लगभग 8.4 प्रतिशत अधिक है। उद्योग के सूत्रों द्वारा एकत्र वाहन डेटा (तेलंगाना को छोड़कर) से पता चलता है कि मारुति सुजूकी इंडिया ने 17.8 लाख वाहनों के साथ कैलेंडर वर्ष 2025 में अपना दबदबा कायम रखा। उसकी सालाना आधार पर 8.8 फीसदी वृद्धि रही। मासिक आधार पर मारुति की बिक्री फरवरी में और फिर जून-सितंबर के मॉनसून के महीनों में कम हो गई। लेकिन कंपनी ने अक्टूबर 2025 में तेजी से वापसी की और त्योहारी मांग व नए मॉडलों के बल पर 243,327 वाहनों की उच्चतम मासिक बिक्री दर्ज की। एमऐंडएम इस साल सबसे ज्यादा

बढ़त बनाने वाली कंपनी रही। उसकी बिक्री में साल-दर-साल 20 फीसदी से अधिक इजाफा हुआ और यह 588,994 वाहन तक पहुंच गई, जो उसकी प्रतिस्पर्धी दूसरी कंपनियों में सबसे अच्छी बढ़ोतरी है। टाटा मोटर्स ने 565,982 वाहनों की बिक्री दर्ज की, जो पिछले साल के मुकाबले 5.6 प्रतिशत ज्यादा है।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना का तीसरा दौर जनवरी में शुरू

- पायलट प्रोजेक्ट में बदलाव, युवाओं के लिए और आकर्षक अवसर

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) का तीसरा दौर जनवरी के मध्य से शुरू होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार इस चरण में कुछ बदलाव किए गए हैं, जिससे यह आवेदकों के लिए और अधिक आकर्षक होगा। विशेष रूप से सेवा क्षेत्रों में इंटर्नशिप की अवधि कम करने की योजना है। सरकार का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में शीर्ष 500 कंपनियों में 1 करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करना है। इस योजना की शुरुआत पिछले साल 3 अक्टूबर को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में हुई थी, जिसका वार्षिक लक्ष्य 1,25,000 इंटर्नशिप अवसर देना था। पहले दौर में 28,141 आवेदकों ने इंटर्नशिप स्वीकार की थी, जबकि दूसरे दौर में यह संख्या घटकर 24,638 रही। पहले दौर में 34 प्रतिशत ऑफर स्वीकार किए गए थे, जो दूसरे दौर में 29 प्रतिशत रह गए। हालांकि प्रतिशत में गिरावट आई, लेकिन कुल इंटर्नशिप अवसरों की संख्या में वृद्धि हुई। दूसरे दौर में जुबिलेंट फूडवर्क्स ने 13,658 अवसर दिए, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने 7,880 और एचडीएफसी बैंक ने 6,800 अवसर प्रदान किए। लगभग 70 नई कंपनियाँ इस चरण में शामिल हुईं।

सरकार ने इस योजना की घोषणा 2024-25 के पूर्ण बजट में की थी, और अब तीसरे चरण के माध्यम से युवाओं के लिए अधिक अवसर उपलब्ध कराने की तैयारी चल रही है।

भारती ग्रुप का एमकैप बढ़ा, देश में तीसरा सबसे बड़ा कारोबारी समूह बना

- एमकैप 10.7 लाख करोड़ से बढ़कर 14.7 लाख करोड़ रुपए पहुंचा

नई दिल्ली ।

साल 2025 में भारती समूह ने अपने तीनों सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (एमकैप) में 37.3 फीसदी की बढ़त दर्ज की। कुल एमकैप 10.7 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 14.7 लाख करोड़ रुपये हो गया। इस प्रदर्शन के साथ भारती समूह अब टाटा और रिलायंस के बाद देश का तीसरा सबसे बड़ा परिवार-स्वामित्व वाला कारोबारी समूह बन गया। नों कंपनियों में सबसे बड़ा लाभ भारती एयरटेल से हुआ, जिसका एमकैप 40.1 फीसदी बढ़कर 12.67 लाख करोड़ रुपये हो गया। अनिल अग्रवाल के स्वामित्व वाला वेदांत समूह तीन कंपनियों के साथ 36.3 फीसदी की बढ़त के साथ 5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा। इसमें प्रमुख योगदान हिंदुस्तान जिंक का रहा, जिसका एमकैप 38 फीसदी बढ़कर 2.59 लाख करोड़ रुपये हुआ। मुकेश अंबानी की अगुआई वाला रिलायंस इंडस्ट्रीज समूह 24.7 फीसदी बढ़ा और कुल एमकैप 23.4 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा। इस वृद्धि का मुख्य स्रोत रिलायंस इंडस्ट्रीज का 29.1 फीसदी बढ़ा एमकैप रहा। बजाज समूह चौथे से पांचवें स्थान पर, आदित्य बिड़ला और महिंद्रा समूह में लगभग 17 फीसदी बढ़त, जेएसडब्ल्यू और अदाणी समूह में क्रमशः 8.3 और 8 फीसदी बढ़त, टाटा का एमकैप 10.9 फीसदी गिरकर 27.7 लाख करोड़ रुपये, टीसीएस और इंफो सिस में क्रमशः 21.8 और 16.1 फीसदी की गिरावट देखी गई।

मुंबई-दिल्ली हवाई मार्ग पर एयर इंडिया ने इंडिगो को पीछे छोड़ा

इंडिगो दूसरे स्थान पर, 38.8 फीसदी हिस्सेदारी और 2,71,052 सीटों के साथ

नई दिल्ली ।

मुंबई-दिल्ली हवाई मार्ग अब दुनिया के शीर्ष 10 व्यस्ततम मार्गों में शामिल हो गया है। विमानन डेटा कंपनी ओएजी के अनुसार 2025 में इस मार्ग पर 76.4 लाख सीटें उपलब्ध थीं और औसतन रोजाना 107 उड़ानें संचालित हुईं। यह संख्या इसे वैश्विक रैंकिंग में 8वां स्थान देती है, जिससे चीन के प्रमुख मार्ग जैसे पेइचिंग-शांघाई हांग्जो भी पीछे रह गए। इस मार्ग पर प्रतिस्पर्धा बढ़ने के साथ ही एयर इंडिया समूह (एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस) ने इंडिगो को पीछे छोड़कर 48.8 फीसदी क्षमता पर कब्जा जमा लिया। इंडिगो अब दूसरे स्थान पर है, 38.8 फीसदी हिस्सेदारी और 2,71,052 सीटों के साथ। शेष हिस्सेदारी मुख्य रूप से आकाश एयर और स्पाइसजेट के पास है। एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ानें पिछले साल 63 से बढ़कर 124 हो गईं। एयर इंडिया ने 46 उड़ानें संचालित कीं। अकासा एयर और स्पाइसजेट ने भी क्रमशः 33त्न और 23 फीसदी सीट क्षमता बढ़ाई। इसी कारण इस मार्ग पर प्रतिस्पर्धा और तेज हुई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत का बंगलादेश दौरा रीशेड्यूल, बीसीबी ने नई तारीखों का किया ऐलान

ढाका (एजेंसी)। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को घोषणा की कि वे अगस्त-सितंबर 2026 में तीन मैचों की वनडे सीरीज और उतने ही टी20 के लिए भारत की मेजबानी करेंगे। बीसीबी क्रिकेट ऑपरेशन के इंचार्ज शहरयार नफीस ने बताया, 'बांग्लादेश और भारत के बीच जो सीरीज पहले स्थगित कर दी गई थी, उसे रीशेड्यूल कर दिया गया है।' भारतीय टीम अब 28 अगस्त को आने वाली है जिसमें वनडे मैच 1, 3 और 6 सितंबर को खेले जाएंगे। टी20 मैच 9, 12 और 13 सितंबर को खेले जाएंगे जिसके बाद पड़ोसी देश वापस घर लौट जाएंगे।

बीसीबी ने शुक्रवार को 2026 सीजन के लिए बांग्लादेश के घरेलू अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम की घोषणा की, जिसमें कैलेंडर में तीनों फॉर्मेट में पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, भारत, ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज शामिल हैं। बीसीबी ने एक बयान में कहा, 'पुष्टि किया गया कार्यक्रम बांग्लादेश में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से भरे सीजन को सुनिश्चित करता है, जिससे देश भर के समर्थकों को घर पर टॉप-लेवल क्रिकेट देखने का अवसर मिलेगा, जबकि मैच स्थलों का विवरण उचित समय पर घोषित किया जाएगा।' पाकिस्तान 9 मार्च को तीन वनडे दौरे के लिए बांग्लादेश पहुंचेगा, जो 12 से 16 मार्च के बीच खेला जाएगा।

अप्रैल-मई में न्यूजीलैंड का बांग्लादेश का व्हाइट-बॉल दौरा तीन वनडे के साथ 17 अप्रैल से शुरू होगा, और उतने ही टी20, जो 27 अप्रैल से शुरू होकर 2 मई को समाप्त होंगे। पाकिस्तान दो टेस्ट के लिए वापस आएगा जो आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप सीरीज़ का हिस्सा हैं। पहला रेड-बॉल मैच 8-12 मई तक और दूसरा 16-20 मई तक खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया का बांग्लादेश का व्हाइट-बॉल दौरा 5 जून को तीन वनडे के साथ शुरू होगा, जिसके बाद तीन मैचों की टी20 सीरीज 15-20 जून के बीच खेली जाएगी।

भारत की मेजबानी करने के बाद, बांग्लादेश वेस्ट इंडीज के खिलाफ़ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगा जो चैम्पियनशिप का भी हिस्सा है। टेस्ट से पहले 22-24 अक्टूबर तक तीन दिन का वार्म-अप मैच होगा। पहला टेस्ट 28 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच खेला जाएगा, जबकि दूसरा 5 से 9 नवंबर तक खेला जाएगा। श्रीलंका ए टीम भी मई 2026 में बांग्लादेश का दौरा करेगी, जिसमें मेजबान टीम के खिलाफ दो चार-दिवसीय मैच और तीन वनडे मैच खेले जाएंगे।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में वापसी करके नया रिकॉर्ड बनाएगी 7 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स

मेलबर्न (एजेंसी)। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वीनस विलियम्स 5 साल में पहली बार इस वर्ष ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेगी और इस तरह से इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएगी। उन्हें 18 जनवरी से शुरू होने वाले वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया है।

टूर्नामेंट के आयोजकों ने शुक्रवार को घोषणा की कि 45 वर्षीय वीनस उस मेलबर्न पार्क में वापसी करने के लिए तैयार है जहां उन्होंने 28 साल पहले पहली बार हिस्सा लिया था। उन्होंने 1998 में दूसरे दौर में अपनी छोटी बहन सेरेना को हराया था, लेकिन क्वार्टर फाइनल में हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी लिंडसे डेवनपोर्ट से हार गई थीं। वीनस ने नवंबर में घोषणा की थी कि वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन से 2 सप्ताह पहले न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में खेलेंगी, जहां उन्हें वाइल्ड कार्ड मिला है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के आयोजकों के अनुसार वीनस ने होबार्ट में होने वाले एक अन्य टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए भी पंजीकरण कराया है। वीनस ने इससे पहले आखिरी बार 2021 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हिस्सा लिया था। वह यहां दो बार महिला एकल में उप-विजेता रह चुकी हैं। वह 2003 और 2017 में फाइनल में सेरेना से हार गई थीं। वीनस ने कहा, 'मैं ऑस्ट्रेलिया में खेलने को लेकर बहुत उत्सुक हूं। वहां मेरी कई अविश्वसनीय यादें जुड़ी हैं। मुझे बहुत खुशी है कि मैं फिर से उस जगह लौट रही हूं जिसका मेरे करियर में बहुत महत्व रहा है।' इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेकर वीनस इस टूर्नामेंट में खेलने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएगी। वह जापान की किमिको दाते के रिकॉर्ड को तोड़ देंगी, जो 2015 में मेलबर्न पार्क में पहले दौर में हारने के समय 44 वर्ष की थीं।

ऑफ स्पिन गेंदबाजी, विकेटकीपिंग और छठे नंबर पर बल्लेबाजी : बुमराह ने कॉलेज के दिनों को किया याद

मुंबई (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कॉलेज में खेले गए एक मैच को याद किया, जहां उन्होंने उस भूमिका से बिल्कुल अलग भूमिका निभाई जिसके लिए वह मशहूर हैं यानी स्विंगिंग तेज गेंदबाजी। बुमराह ने कहा कि उन्होंने 'ऑफ स्पिन गेंदबाजी की, विकेटकीपिंग की और छठे नंबर पर बल्लेबाजी भी की'।

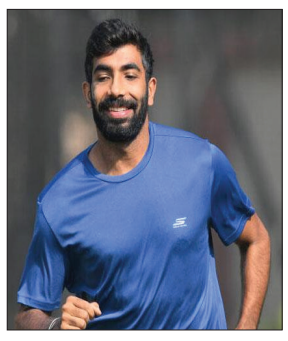

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) ट्रेनिंग सेशन के दौरान विकेटकीपिंग ग्लव्स पहने हुए बुमराह का वीडियो मुंबई इंडियंस (MI) फ्रेंचाइजी ने पोस्ट किया था। उस वीडियो में बुमराह अपने हाथों में विकेटकीपिंग ग्लव्स पहने हुए मस्ती करते दिख रहे हैं, जिनके हाथों में आमतौर पर एक चमकदार क्रिकेट गेंद होती है जो चौंकाने के लिए तैयार रहती है।

बुमराह ने कहा, 'कॉलेज के एक मैच में अपनी यूनिवर्सिटी के लिए, एक ऐसा मैच था जिसमें मैंने ऑफ स्पिन गेंदबाजी की, विकेटकीपिंग की और स्टंपिंग भी की और छठे नंबर पर बल्लेबाजी भी की। मैंने सब कुछ किया!' बुमराह ने 2025 में 21 मैचों में 21.77 की औसत और 3.44 की इकॉनमी रेट से 45 विकेट लिए जिसमें 25 पारियों में तीन बार 5 विकेट लेने का कमाल शामिल है, ये सभी टेस्ट मैचों में आए और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/27 रहा।

उन्होंने टीम इंडिया के साथ एशिया कप भी जीता और IPL 2025 में MI के साथ प्लेऑफ में पहुंचे, जहां उन्होंने 12 मैचों में 17.55 की औसत से 18 विकेट लिए। इसमें एक बार 5 विकेट भी शामिल था, जो प्रतियोगिता में सातवां सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड था। जैसे ही बुमराह अपना साल 2026 शुरू करेंगे, उनका लक्ष्य आठवें भारतीय गेंदबाज और चौथे भारतीय तेज गेंदबाज के रूप में 500 अंतरराष्ट्रीय विकेट पूरे करना होगा। वह इस मुकाम से 14 विकेट दूर हैं। उन्होंने 224 मैचों में 20.60 की औसत से 486 विकेट लिए हैं जिसमें उनके नाम 18 बार 5 विकेट लेने का कीर्तिमान और 6/19 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

बांग्लादेशी खिलाड़ी को शामिल नहीं करने को लेकर सरकार से कोई निर्देश नहीं मिला : बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को कोलकाता नाइट रायडर्स (केकेआर) में शामिल किये जाने को लेकर हो रहे विरोध के बीच ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि उसे सरकार से बांग्लादेशी खिलाड़ी को शामिल नहीं करने को लेकर कोई निर्देश नहीं मिले हैं। बीबीसीसी के एक अधिकारी ने कहा कि इस मामले में कोई टिप्पणी नहीं की जा सकती है। पिछले महीने हुई आईपीएल नीलामी में बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर को केकेआर ने 9.20 रुपये में खरीदा था।उसके बाद से कई लोगों ने केकेआर

के इस फैसले को गलत बताया है। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसक घटनाओं की खबरों के बाद कई लोगों का मानना है कि आईपीएल से बांग्लादेशी खिलाड़ियों को बाहर कर दिया जाना चाहिये।

आध्यात्मिक गुरु देवकीनंदन ठाकुर सहित कई अन्य ने मुस्तफिजुर को शामिल करने पर केकेआर के सह-मालिक शाहरुख खान की कड़ी आलोचना की है और कहा था कि वहां हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा को देखते हुए किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी को शामिल कैसे किया जा सकता है। मुस्तफिजुर ने सला 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद के साथ आईपीएल में डेब्यू किया था। इस गेंदबाज ने अब तक 60 आईपीएल मैचों में 8.13 की इकॉनमी रेट से 65 विकेट लिए हैं। वह पिछले सत्र में ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क के चोटिल होने पर उनकी जगह दिल्ली कैपिटल्स में वापस आ गये थे।

प्रशंसकों को पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों से बेहतर प्रदर्शन की रहेगी उम्मीद

मुम्बई। भारतीय पुरुष ओर महिला क्रिकेट टीमों को इस बार कई अहम मुकाबले खेलने हैं। ऐसे में प्रशंसकों को उम्मीद रहेगी की दोनो ही टीमें इनमें जीत दर्ज करेंगी। भारतीय क्रिकेट के लिए बीता साल टेस्ट क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं रहा था। वहीं इस साल प्रशंसकों को टीम से इस लंबे प्रारुप में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। इसके अलावा प्रशंसकों को उम्मीद रहेंगी कि भारतीय टीम अपनी ही धरती पर होने वाले टी20 विश्वकप में जीत दर्ज कर खिताब बरकरार रखे। टी20 विश्वकप 7 फरवरी से 8 मार्च तक भारत और श्रीलंका की में खेला जाएगा। पुरुष क्रिकेट में अब तक कोई भी टीम टी20 विश्वककप का खिताब बरकारार नहीं कर पाई है। अब देखना होग कि इस बार टीम इसे बरकरार रख पाती है या नहीं। वहीं भारतीय महिला क्रिकेट टीम की नजरें भी एकदिवसीय विश्वकप के बाद टी20 विश्वकप जीतने पर रहेंगी। 12 जून से 5 जुलाई तक इंग्लैंड की मेजबानी में होने वाला महिता टी20 विश्व कप 2026 जीतकर भारतीय टीम खेल में अपना दबदबा बनाना चाहेगी। वहीं भारतीय टीम अगस्त में श्रीलंका और नवंबर में न्यूजीलैंड में होने वाली टेस्ट सीरीज जीतना चाहेगी। भारतीय टीम अभी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) 2025-27 की अंकतालिका में छठे स्थान पर है। ऐसे में अगर उसे फाइनल की दौड़ में बने रहना है, तो इन दोनों टेस्ट सीरीज में बड़ी जीत हासिल करनी होग। इसके अलावा जापान में 19 सितंबर से 4 अक्तूबर तक आयोजित होने वाले एशियाई खेलों में भी भारतीय पुरुष और महिला टीम जीत हासिल करना चाहेंगी। भारत की पुरुष और महिला टीमों ने 2023 में यहां दोनो वर्गो में खिताब जीते थे।

सातवीं बार डकार रैली में भाग लेंगे भारतीय राइडर हरिथ नोआ

यानबू (सऊदी अरब)। भारत के अग्रणी रैली रेड राइडर हरिथ नोआ शनिवार से यहां शुरू होने वाली विश्व की सबसे मुश्किल मोटरस्पोर्ट प्रतियोगिता डकार रैली में लगातार सातवीं बार हिस्सा लेंगे। केरल का यह 32 वर्षीय राइडर तीन से 17 जनवरी तक होने वाली डकार रैली में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा। यह प्रतियोगिता छठी बार सऊदी अरब में आयोजित की जा रही है। डकार रैली में राइडर इस बार लगभग 8,000 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। इसमें लगभग 4,800 किलोमीटर में राइडर रेत के टीलों, पथरीले इलाकों और दुर्गम पठारों से होकर गुजरेंगे। इस दौरान केवल एक बार 10 जनवरी को राइडर को विश्राम करने का मौका मिलेगा। पांच बार के भारतीय राष्ट्रीय सुपरक्रॉस चैंपियन नोआ ने 2020 में डकार रैली में पदार्पण किया था। तब यह रैली पहली बार सऊदी अरब में आयोजित की गई थी।

मारिन एक बार फिर भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच बने

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने नीदरलैंड के सोर्ड मारिन को दूसरी बार भारतीय महिला हॉकी टीम का मुख्य कोच बनाया है। मारिन के मार्गदर्शन में ही भारतीय महिला टीम टोक्यो ओलंपिक खेलों में चौथे स्थान पर रही थी। मारिन साल 2017 से 2021 तक भारतीय महिला टीम के कोच थे। वहीं अर्जेंटीना के विला मटियास विला को विश्लेषणात्मक कोच बनाया गया है। पूर्व मिडफील्ड विला ने साल 2000 में सिडनी ओलंपिक और 2004 में एथेंस ओलंपिक में भाग लिया था। वह करीब 20 साल से कोचिंग करते आ रहे हैं। इसके अलावा वेन लोम्बार्ड को खेल प्रदर्शन प्रमुख के रूप में रखा गया है जबकि वैज्ञानिक सलाहकार रोडेट इला और सियारा इला अपने पद पर बने रहेंगे। वहीं मारिन ने का कि उन्हें भारतीय टीम के साथ आने से खुशी हुई है। मैं साढ़े चार साल बाद नयी ऊर्जा और रवैये के साथ इस पद पर लौटा हूं ताकि टीम को आगे बढ़ाने में अहम र्ण योगदान दे सकूं और खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन करने में सहाता कर सकूं। गौरतलब है कि मारिन के पिछले कार्यकाल के दौरान भारतीय टीम विश्व रैंकिंग के शीर्ष 10 में पहुंची थी। अब मारिन की पहली परीक्षा आठ से 14 मार्च तक हैदराबाद में होने वाले महिला विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट में होगी। वहीं हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'हम मारिन और पूरे सहायक स्टाफ का भारतीय हॉकी परिवार में स्वागत करते हैं। हमें उम्मीद है कि उनके मार्गदर्शन में टीम निरंतर सफलता हासिल करेगी।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ख्वाजा ने खेल से संन्यास की घोषणा की

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने खेल से संन्यास की घोषणा कर दी है। ख्वाजा ने 15 साल के लंबे करियर के बाद खेल को अलविदा कहा है। ख्वाजा एशेज सीरीज में अंतिम बार सिडनी टेस्ट में उतरेंगे। ख्वाजा इस प्रकार साल 2026 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले पहले खिलाड़ी हैं। ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से साल 2011 में अपना डेब्यू किया था।इसके बाद से वह टीम के लिए तीनों प्रारुपों में खेले पर टेस्ट क्रिकेट में वह सबसे ज्यादा सफल रहे हैं। कई स्टार खिलाड़ियों वाली टीम में उन्होंने अपनी अलग ही जगह बनायी है।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से ख्वाजा ने अब तक कुल 87 टेस्ट, 40 एकदिवसीय और 9 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। टेस्ट क्रिकेट में ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से 43.39 के औसत से 6206 रन बनाए हैं। टेस्ट प्रारुप में उन्होंने 16 शतक और 28 अर्धशतक लगाए हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनका सबसे अधिक स्कोर 232 रनों का रहा है। वहीं एकदिवसीय प्रारुप में उन्होंने 1554 रन बनाए। ख्वाजा ने अपने करियर में 2 शतक और 12 अर्धशतक लगाये हैं। वहीं टी20 में उनके 241 रन हैं। ख्वाजा ने घरेलू बिग बैश लीग में भी खेलते हुए 70 मैचों में 2132 रन बनाए। इसके अलावा आईपीएल, वैटालिटी ब्लास्ट, पाकिस्तान सुपर लीग और आईपीएल में भी उन्होंने खेला है।

विदेश में कैंसर से जूझ रहे भारत के पूर्व कोच, इलाज के लिए बेटी ने लगाई मदद की गुहार

स्पोर्ट्स डेस्क। माइकल नोब्स, जो ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हॉकी खिलाड़ी हैं, संन्यास के बाद भारतीय हॉकी टीम के कोच भी बने थे। वे पिछले करीब पांच सालों से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लड़ रहे हैं। माइकल को फेफड़ों का कैंसर है, जो अब उनकी हड्डियों तक फैल चुका है। बीमारी के साथ-साथ उन्हें आर्थिक परेशानियों का भी सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनका इलाज कराना मुश्किल हो गया है। क्राउडफंडिंग पोर्टल पर दी गई जानकारी के अनुसार, माइकल नोब्स के इलाज के लिए एमीवेंटामैब नाम की एक विशेष दवा की जरूरत है, जो काफी महंगी है। केवल छह महीने के इलाज में करीब 64 हजार ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का खर्च आता है। इसी कारण उनके परिवार को लोगों से आर्थिक मदद मांगनी पड़ी। माइकल की दो बेटियां हैं, कैटलिन नोब्स और जैमी नोब्स। कैटलिन खुद एक हॉकी खिलाड़ी हैं। दोनों बहनों ने 31 अगस्त 2025 को अपने पिता के इलाज के लिए एक क्राउडफंडिंग पोर्टल के जरिए मदद की अपील की। इस अभियान से करीब 75 हजार ऑस्ट्रेलियाई डॉलर जुटाए गए, लेकिन इसके बावजूद इलाज पूरी तरह सुचारु रूप से नहीं चल पा रहा है। कैटलिन नोब्स ने एक इंटरव्यू में बताया कि उनके पिता फिलहाल सिडनी में रहते हैं, जबकि वे खुद पर्थ में हैं। दोनों शहरों के बीच करीब पांच घंटे की फ्लाइट दूरी है, जिससे दूर रहकर मदद करना और भी मुश्किल हो जाता है। पिता की सेहत को लेकर बात करते हुए कैटलिन ने कहा कि इलाज चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन माइकल नोब्स में अब भी जीने की मजबूत इच्छाशक्ति है। उन्होंने बताया कि उनके पिता को उन्हें हॉकी खेलते देखना बहुत अच्छा लगता है और इससे उनके चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। कैटलिन ने कहा कि हॉकी से ज्यादा उनके बीच पिता-बेटी का रिश्ता अहम रहा है और चाहे वह अच्छा खेलें या बुरा, उनके पिता हमेशा उनके सबसे बड़े समर्थक रहे हैं।

बिहार के प्रतिभाशाली बैडमिंटन खिलाड़ियों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षण दिया जाएगा : साइना

पटना (एजेंसी)। अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल आजकल बिहार दौरे पर हैं। इस दौरान साइना ने कहा कि राज्य में काफी खेल प्रतिभाएं हैं पर उन्हें निखारने की जरुरत है। ओलंपिक पदक विजेता साइना ने कहा कि की बेहतर प्रशिक्षण से यहां से भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकलेगे। साइना ने कहा कि राज्य में जरुरी संसाधन मौजूद हैं और सही मार्गदर्शन से यहां के खिलाड़ी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना सकते हैं। साइना ने यहां पाटलिपुत्र खेल परिसर में कहा कि बिहार के प्रतिभावान बैडमिंटन खिलाड़ियों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षण दिया जाएगा।

उन्होंने बिहार में खेलों के विकास, विशेषकर बैडमिंटन की संभावनाओं पर भी अपने बातें रखीं। साइना ने कहा कि बिहार खेल के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आयोजन के जरिए पहले ही वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना चुका है। साइना ने कहा, 'मैंने अपनी पहली राष्ट्रीय चैंपियनशिप पटना में ही जीती थी इसलिए बिहार से मेरा गहरा भावनात्मक जुड़ाव है।' साइना ने कहा कि वह बिहार के खिलाड़ियों के विकास के लिए वह हर संभव सहयोग देने को तैयार हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि सरकार की सकारात्मक खेल नीति, खेल विभाग और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के कुशल मार्गदर्शन से आने वाले समय में राज्य से अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकलेंगे।

कार्लसन और गोर्याचकिना बने विश्व रैपिड चैंपियन, भारत के अर्जुन और हम्पी को कांस्य पदक

दोहा, क़तर (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैगनस कार्लसन ने शानदार वापसी करते हुए फीडे विश्व रैपिड चैंपियनशिप 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया। कार्लसन ने 13 में से 10.5 अंक हासिल कर अपने निकटतम प्रतिर्द्वंद्वियों से पूरे एक अंक की बढ़त के साथ छठी बार यह प्रतिष्ठित खिताब जीता। इससे पहले वे 2014, 2015, 2019, 2022 और 2023 में भी विश्व रैपिड चैंपियन रह चुके हैं।

टूर्नामेंट के दूसरे दिन खराब शुरुआत के बाद कार्लसन ने अंतिम दिन जबरदस्त खेल दिखाया। उन्होंने लगातार तीन जीत दर्ज कीं और अंतिम राउंड में श्वेत मोहरों से अनीश गिरि के खिलाफ ड्रॉ खेलकर खिताब पक्का कर लिया।

खिताब जीतने के बाद कार्लसन ने कहा, 'यह बहुत बड़ा और मजबूत टूर्नामेंट था। मैं यहां हमेशा पहले स्थान के लिए खेलता हूं, जबकि कई खिलाड़ी अच्छे इनाम या पदक के बारे में सोचते हैं। यही मुझे मनोवैज्ञानिक बढ़त देता है।'

विश्व रैपिड में दूसरा स्थान चार खिलाड़ियों ने 9.5 अंकों के साथ साझा किया पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर रूस के आर्टेमिएव ब्लादिलसाव को रजत पदक मिला, जबकि भारत के अर्जुन एरिगैसी ने कांस्य पदक जीतकर आनंद के बाद विश्व रैपिड में पदक हासिल करने का कारनामा किया। हंस नीमन महज़ 0.5 बुख़होल्ज़ अंक से पदक से चूक गए।

महिला वर्ग में गोर्याचकिना का पहला वर्ल्ड रैपिड खिताब

महिला वर्ल्ड रैपिड में रोमांच चरम पर रहा। अंतिम दौर से पहले चीन की जु जिनर और मौजूदा चैंपियन कोनेरु हम्पी तीनों 8 अंकों के साथ शीर्ष पर थीं। अंतिम राउंड में झू और गोर्याचकिना ने ड्रॉ खेला, जबकि हम्पी कोनेरू जीत की स्थिति में होने के बावजूद समय की कमी में सविता श्री के खिलाफ चूक गईं और बाज़ी ड्रॉ रही।

नियमों के अनुसार टाईब्रेक के बाद शीर्ष दो खिलाड़ियों–गोर्याचकिना और झू–के बीच ब्लिट्ज़ प्लेऑफ खेला गया। गोर्याचकिना ने पहला ब्लिट्ज़ मुकाबला जीतकर और दूसरा ड्रॉ कर महिला वर्ल्ड रैपिड चैंपियन का खिताब हासिल किया। यह उनके करियर का पहला वर्ल्ड रैपिड खिताब है। झू जीनर को रजत पदक से संतोष करना पड़ा, जबकि हम्पी कोनेरू ने कांस्य पदक जीता।

संतोष ट्राफी 21 जनवरी से होगी शुरु, 12 टीमों के बीच होगा मुकाबला

नई दिल्ली। 79वीं राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप संतोष ट्राफी 2025-26 असम के ढकुआखाना और सिलापाथर देश भर की 12 फुटबॉल टीमों के बीच 21 जनवरी से 8 फरवरी तक खेली जाएगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने इस महीने शुरु होने वाली संतोष ट्राफी के फाइनल ड्रा की घोषणा की है। इस चैंपियनशिप में शामिल 12 टीमों को ए और बी ग्रुप में बांटा गया है। ए ग्रुप में असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, उत्तराखंड, नागालैंड और राजस्थान है। जबकि ग्रुप बी में केरल, सर्विसेज, पंजाब, ओडिशा, रेलवे और मेघालय है। टूर्नामेंट के सभी मुकाबले ढकुआखाना और सिलापाथर में खेले जाएंगे। इस चैंपियनशिप की शुरुआत 1941 में हुई थी और पश्चिम बंगाल ने संतोष ट्रॉफी का रिकॉर्ड 32 बार खिताब जीता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

वेस्ट बैंक में फलस्तीनी घरों पर चला बुलडोजर, लोग बेघर

येरूशलम, एजेंसी। वेस्ट बैंक के नूर शम्स शरणार्थी शिविर में बुधवार को फलस्तीनी अपने घरों को इस्राइली बुलडोजरों से टूटते हुए देखते रहे। यह कार्रवाई इस्राइली सेना की उस मुहिम का हिस्सा है, जो करीब एक साल से उत्तरी वेस्ट बैंक के शरणार्थी शिविरों में चल रही है। मानवाधिकार संगठनों के मुताबिक, इस अभियान के दौरान नूर शम्स, जेनिन और तुलकरम शिविरों में अब तक 850 से ज्यादा इमारतें पूरी तरह ढहाई जा चुकी हैं या बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई हैं। हजारों लोगों को अपने घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है और वे रिश्तेदारों के यहां या किराये के मकानों में रहने को मजबूर हैं। सेना ने वेस्ट बैंक के शरणार्थी शिविरों में कई घरों को गिरा दिया। बुलडोजर कार्रवाई के चलते हजारों फलस्तीनी परिवारों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। लोग इस कार्रवाई को दर्दनाक और अन्यायपूर्ण बता रहे हैं। इस्राइल का कहना है कि यह कार्रवाई हथियारबंद समूहों के खिलाफ है और सेना के रास्ते साफ करने के लिए घर तोड़े जा रहे हैं। हालांकि स्थानीय लोग इसे घरों और यादों के उजड़ने का दर्द बता रहे हैं।

भारत-ब्राजील के संबंधों में जुड़ेगा नया अध्याय फरवरी में आएंगे राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला

ब्राजिलिया, एजेंसी। भारत के साथ आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा फरवरी के दूसरे सप्ताह में नई दिल्ली की महत्वपूर्ण यात्रा पर आ रहे। सबसे खास बात है कि लूला के साथ ब्राजील का अब तक का सबसे बड़ा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल आएगा, जो एशिया में ब्राजील की बढ़ती दिलचस्पी का स्पष्ट संकेत है। दोनों देशों ने आपसी व्यापार को 1.8 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। ब्राजील के उद्योगपतियों के लिए भारत ड्रीम मार्केट बन चुका है। इस दौरे का मुख्य फोकस उर्वरक, कृषि तकनीक, दलहन, कपास और पोल्ट्री जैसे क्षेत्रों पर रहेगा। ब्राजील को भारत में न केवल एक विशाल उपभोक्ता बाजार दिखता है, बल्कि उच्च तकनीक और निवेश के नए अवसर भी नजर आ रहे हैं। व्यापार से इतर प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति लूला के बीच संस्कृति, पर्यटन और खेल जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है। मर्कोसुर-भारत व्यापार समझौते के विस्तार पर भी काम चल रहा है, जो न केवल टैरिफ कम करेगा बल्कि व्यापार की अन्य बाधाओं को भी दूर करेगा। यह यात्रा दक्षिण-दक्षिण सहयोग के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित हो सकती है।

अमेरिका : गलत सजा काट रहे शख्स को मिली माफी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिसिसिपी राज्य में एक व्यक्ति को उसकी सजा अवैध पाए जाने के बाद राज्यपाल ने माफी दे दी है। यह फैसला उसके भाई को इसी तरह की राहत मिलने के कुछ हफ्तों बाद आया। मॉरिस टेलर को तय कानून से कहीं ज्यादा सजा दी गई थी। राज्यपाल टेट रीव्स ने कहा कि कानून के मुताबिक यह सजा गलत थी और न्याय के हित में उसे रिहा किया जा रहा है। आदेश के अनुसार मॉरिस टेलर को पांच दिन के भीतर जेल से छोड़ा जाएगा। राज्यपाल ने कहा कि अगर किसी एक व्यक्ति के साथ भी अन्याय होता है, तो यह पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है।

सीरिया : नए साल की पूर्व संध्या पर आत्मघाती हमला, एक पुलिसकर्मी की मौत

अलेप्पो, एजेंसी। सीरिया के उत्तरी शहर अलेप्पो में नए साल की पूर्व संध्या पर हुए आत्मघाती हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। सरकारी मीडिया के अनुसार, आंतरिक सुरक्षा बलों की एक टीम बाब अल-फराज इलाके में संदिग्ध को पकड़ने की कोशिश कर रही थी, तभी उसने खुद को विस्फोट से उड़ा लिया। अलेप्पो के गवर्नर ने बताया कि पुलिसकर्मी नए साल के जश्न की सुरक्षा में तैनात थे। एक अधिकारी ने हमलावर को रोकने की कोशिश की, लेकिन उसी दौरान विस्फोट हो गया। अधिकारियों ने कहा कि हालात काबू में हैं। आशंका जताई जा रही है कि हमलावर एक ईसाई बहुल इलाके में घुसने की कोशिश कर रहा था।

थाईलैंड ने 18 कंबोडियाई युद्धबंदियों को किया रिहा

बैंकाक, एजेंसी। थाईलैंड ने बुधवार को कंबोडिया के 18 युद्धबंदियों को रिहा कर दिया। यह कदम दोनों देशों के बीच सीमा पर जारी खूनी संघर्ष को खत्म करने के लिए हुए संघर्ष विराम समझौते के तहत उठाया गया है। इन सैनिकों को चंतबुरी और पैलिन प्रांत के बीच स्थित सीमा चौकी पर रिहा किया गया। थाई विदेश मंत्रालय ने इसे विश्वास बहाली और मानवीय सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बताया है। वहीं, कंबोडिया ने कहा कि इस कदम से शांति और स्थिरता का माहौल बनेगा।

भारतवंशी जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के पहले मुस्लिम मेयर बने

कुरान पर हाथ रखकर शपथ ली, न्यूयॉर्क के इतिहास में ऐसा पहली बार

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारतीय मूल के जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के पहले मुस्लिम मेयर बन गए हैं। उन्होंने गुरुवार को कुरान पर हाथ रखकर पद की शपथ ली। अब तक न्यूयॉर्क सिटी के अधिकतर मेयर बाइबिल पर हाथ रखकर शपथ लेते रहे हैं। हालांकि संविधान के तहत शपथ के लिए किसी धार्मिक ग्रंथ का इस्तेमाल अनिवार्य नहीं है। 34 साल के डेमोक्रेट ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के पहले मुस्लिम, पहले दक्षिण एशियाई और पहले अफ्रीका में जन्मे मेयर हैं।

ममदानी ने न्यूयॉर्क के सिटी हॉल के नीचे स्थित एक बंद पड़े सबवे स्टेशन में शपथ ली। यह एक प्राइवेट समारोह था, जिसमें ममदानी का परिवार शामिल हुआ। इसके बाद दोपहर में एक सार्वजनिक शपथ ग्रहण समारोह होगा। ममदानी ने दो कुरानों पर हाथ रख कर शपथ ली। इनमें एक उनके दादा की कुरान और दूसरी जेब में रखी जाने वाली छोटी कुरान थी। कहा जा रहा है कि पॉकेट साइज कुरान 18वीं सदी के अंत या 19वीं सदी की की है। यह कुरान न्यूयॉर्क पब्लिक लाइब्रेरी के शॉम्बर्ग सेंटर फॉर रिसर्च इन ब्लैक कल्चर के संग्रह का हिस्सा है।

दूसरी बार शपथ में अपने दादा-दादी की कुरान का इस्तेमाल करेंगे

: दूसरे शपथ ग्रहण समारोह में ममदानी अपने दादा और दादी, दोनों की कुरानों का इस्तेमाल करेंगे। इन कुरानों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। शपथ ग्रहण के लिए कुरान का चयन ममदानी की पत्नी रमा दुवाजी ने किया है। इस काम में उनकी मदद करने वाली एक स्कॉलर के अनुसार, शपथ के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले ये कुरान शहर की बड़ी और लंबे समय से मौजूद मुस्लिम आबादी को दर्शाता है।

बता दें कि चुनाव अभियान के दौरान ममदानी ने महंगाई को प्रमुख मुद्दा बनाया था। साथ ही उन्होंने अपने धार्मिक विश्वास भी खुलकर सामने रखे। उन्होंने शहर के मस्जिदों का दौरा किया और पहली बार मतदान करने वाले कई दक्षिण एशियाई और मुस्लिम मतदाताओं का समर्थन हासिल किया।

शपथ में इस्तेमाल होने वाली कुरान का इतिहास : शॉम्बर्ग सेंटर में मौजूद पॉकेट साइज कुरान अश्वेत प्यूर्टो रिकन इतिहासकार आर्तुरो शॉम्बर्ग के संग्रह का हिस्सा थी। यह स्पष्ट नहीं है कि यह कुरान ममदानी के पास कैसे पहुंची, लेकिन स्कॉलर्स का मानना है कि यह अमेरिका और अफ्रीका में इस्लाम और अश्वेत संस्कृतियों के ऐतिहासिक संबंधों में उनकी रुचि को दर्शाती है। यह कुरान सादे डिजाइन की है। कुरान पर गहरे लाल रंग की जिल्द लगी है और फूलों की आकृति बनी है। अंदर काले-लाल स्याही में लिखा गया है। इससे पता चलता है कि इसे सिर्फ प्रदर्शनी के लिए नहीं, बल्कि रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए बनाया गया था। चूंकि कुरान पर तारीख या लेखक का नाम नहीं है, इसलिए इसकी उम्र का अनुमान इसके लेखन और जिल्द के आधार पर लगाया गया। माना जाता है कि यह उस्मानी दौर में, 18वीं सदी के अंत या 19वीं सदी की शुरुआत में तैयार हुई, उस क्षेत्र में जो आज के सीरिया, लेबनान, इजराइल, फिलिस्तीनी इलाके और जॉर्डन में शामिल है। न्यूयॉर्क पब्लिक लाइब्रेरी की क्यूरेटर हिबा आबिद के अनुसार, इस कुरान की न्यूयॉर्क तक की यात्रा ममदानी के बैकग्राउंड से मेल खाती है। ममदानी भारतीय मूल के न्यूयॉर्कवासी हैं, जिनका जन्म युगांडा में हुआ, जबकि उनकी पत्नी अमेरिकी-सीरियाई हैं।

4 नवंबर 2025: ममदानी ने न्यूयॉर्क मेयर चुनाव जीतकर इतिहास रचा : ममदानी ने 4 नवंबर को न्यूयॉर्क शहर के मेयर का चुनाव जीतकर इतिहास रच दिया था। ममदानी पिछले 100 सालों में न्यूयॉर्क के सबसे युवा, पहले भारतवंशी और पहले मुस्लिम मेयर हैं। ममदानी मानसून वेडिंग और सलाम बॉम्बे जैसी फिल्में डायरेक्ट करने वाली भारतीय मूल की मीरा नायर के बेटे हैं। अपनी विक्ट्री स्पीच में उन्होंने जवाहरलाल नेहरू के 15 अगस्त, 1947 की आधी रात को दिए गए 'ट्रिस्ट विद डेस्टिनी' का जिक्र किया था।

वॉरेन बफेट रिटायर: 60 साल बाद एक युग का अंत

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया के सबसे सफल एवं ताकतवर निवेशकों में शुमार और मार्केट गुरु वॉरेफ बफेट ने 60 साल बाद अपनी कंपनी बर्कशायर हैथवे के सीईओ पद से हटने की घोषणा कर चौंका दिया।?बुधवार बतौर बर्कशायर हैथवे सीईओ उनका आखिर दिन था। ओरेकल ऑफ ओमाहा के नाम से विख्यात 95 वर्षीय बफेट के रिटायर होने के साथ?ही अमेरिकी पूंजीवाद को खड़ा करने वाले एक ऐतिहासिक युग का अंत हो गया।

दिलचस्प बात यह है कि अमीरों की सूची में लंबे समय तक शीर्ष में बने रहने वाले बफेट ने कोई भी बड़ा उद्योग खड़ा नहीं किया, बल्कि अपनी परख के दम पर सिर्फ कंपनियों में निवेश कर दुनिया में बड़ा मुकाम हासिल किया। आज बर्कशायर हैथवे के पास सैकड़ों कंपनियां हैं। इनमें इंश्योरेंस कंपनी गीको, बैटरी बनाने वाली कंपनी ड्यूरासेल और रेस्टोरेंट चेन डेयरी क्वीन शामिल हैं।

कभी पैसा न खोएं: इसका अर्थ है जोखिम प्रबंधन। निवेश करने से पहले यह देखें कि नीचे गिरने की आशंका कितनी है।?अगर मूलधन सुरक्षित है, तो मुनाफा अपने आप आएगा।

सर्कल ऑफ कॉम्पिटेंस में रहें: बफेट कहते हैं कि आपको हर चीज का विशेषज्ञ होने की जरूरत नहीं है। बस यह पता होना चाहिए कि आप क्या जानते हैं और क्या नहीं। उन्हीं व्यवसायों में निवेश करें, जिन्हें

आप समझते हैं।

लंबी अवधि के लिए निवेश करें: बफेट मानते हैं कि अगर आप किसी स्टॉक को 10 साल तक रखने को तैयार नहीं हैं, तो उसे 10 मिनट के लिए भी न खरीदें। कंपाउंडिंग की ताकत पर भरोसा करें। धन धीरे-धीरे बढ़ता है, रातों-रात नहीं।

वैल्यू और प्राइस का अंतर समझें: वैल्यू इन्वेस्टिंग के जनक के मुताबिक, प्राइस वह राशि है, जो आप चुकाते हैं। वैल्यू वह गुणवत्ता या फायदा है, जो आपको मिलता है।

अब ग्रेग संभालेंगे 36 लाख करोड़ की तिजोरी : ग्रेग एबल नए साल की शुरुआत यानी गुरुवार से बर्कशायर हैथवे के विशाल साम्राज्य को संभालेंगे। 62 साल के एबल पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और पिछले कई दशकों से बर्कशायर के बैकस्टेज हीरो रहे हैं। बफेट उन्हें अपनी ऊर्जा मशीन कहते हैं। 1.09 लाख करोड़ डॉलर के नेटवर्थ वाली कंपनी बर्कशायर के तिजोरी में इस वक्त करीब 400 अरब डॉलर (करीब 35.9 लाख करोड़ रुपये) की भारी-भरकम नकदी पड़ी है। मुसीबत यह है कि जब तक ब्याज दरें ज्यादा थीं।

बीएनपी ने लगाया बड़ा इल्जाम, कहा- शेख हसीना की वजह से गई खालिदा जिया की जान

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के निधन के बाद अब उनकी पार्टी BNP ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर बहुत बड़ा इल्जाम लगा दिया है। बीएनपी ने बुधवार को आरोप लगाते हुए कहा है कि शेख हसीना को पार्टी चेयरपर्सन बेगम खालिदा जिया की मौत की जिम्मेदारी से मुक्त नहीं किया जा सकता। गौरतलब है कि लंबी बीमारी के बाद 80 वर्षीय खालिदा जिया का मंगलवार को निधन हो गया था। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक बीएनपी स्थायी समिति के सदस्य नजरुल इस्लाम खान ने जातीय संसद भवन के साउथ प्लाजा में खालिदा जिया के अंतिम संस्कार से पहले उन्हें याद करते हुए शेख हसीना पर इस तरह के आरोप लगाए। नजरुल लंबे समय से खालिदा जिया के राजनीतिक सहयोगी रहे थे।

अंतिम संस्कार से पहले उन्होंने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस, बांग्लादेशी सशस्त्र बलों के प्रमुख और कई राजनीतिक दलों के नेता के सामने पार्टी की ओर से एक लिखित बयान पढ़ा। इस बयान में नजरुल इस्लाम खान ने कहा कि खालिदा जिया को 8 फरवरी, 2018 से दो साल से ज्यादा समय तक एक झूठे मामले में जेल में रखा गया था और इस दौरान सही इलाज ना मिलने के कारण उनकी सेहत बहुत ज्यादा खराब हो गई। उन्होंने कहा, 'पूरे देश ने देखा कि जो नेता खुद चलकर जेल गई थीं, वह एकांत कारावास से गंभीर रूप से बीमार होकर निकलीं।' नजरुल ने आगे कहा कि डॉक्टरों ने बताया कि अगले चार सालों की नजरबंदी के दौरान उनकी हालत और खराब हो गई क्योंकि उन्हें विदेश में इलाज कराने की इजाजत नहीं दी गई। उन्होंने कहा, 'इसका नतीजा तब हुआ कि इस महान नेता की आखिरकार मौत हो गई। इसलिए, फासीवादी हसीना को इस मौत की ज़िम्मेदारी से कभी भी मुक्त नहीं किया जा सकता। इससे पहले बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और तीन दशकों से अधिक समय तक देश की राजनीति में एक प्रभावशाली व्यक्तित्व रहीं बेगम खालिदा जिया का बुधवार को अंतिम संस्कार किया गया। जिया का जन्म 1945 में भारत के वर्तमान पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में हुआ था।

चुनाव से पहले बीएनपी के सामने जमात की पेशकश, जनमत सर्वेक्षण में दोनों दल करेंगे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में किसी वक्त प्रतिबंध का शिकार रह चुकी इस्लामी पार्टी जमात-ए-इस्लामी इस बार फरवरी में हो रहे चुनावों में देश की प्रमुख राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्वी बनने जा रही है। जनमत सर्वेक्षणों से पता चलता है कि जमात-ए-इस्लामी लगभग 17 वर्षों में पहली बार चुनाव लड़ रही है और इस चुनाव में वह बीएनपी के बाद दूसरे स्थान पर रहेगी। जमात का कहना है कि फरवरी में चुनाव के बाद पार्टी मिलीजुली सरकार के लिए तैयार है। सर्वेक्षणों के मुताबिक फरवरी में होने वाले चुनावों में बीएनपी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी। वहीं दूसरे स्थान पर रहने वाली जमात के प्रमुख शफीकुर रहमान ने कई दलों से बात कर मिलीजुली सरकार का बयान दिया है। यह 17 करोड़ की आबादी वाले

मुस्लिम बहुल देश में राजनीतिक वापसी का प्रतीक है। जमात ने 2001 से 2006 के बीच बीएनपी के साथ गठबंधन सहयोगी के रूप में सत्ता संभाली थी। शफीकुर ने कहा, हम पांच वर्षों के लिए एक स्थिर राष्ट्र देखना चाहते हैं।

इस्लामी शासन की पैरोकारी को छोड़ा : जमात शरिया कानून के तहत इस्लामी शासन की वकालत करती है, लेकिन उसने अपने रूढ़िवादी आधार से परे हटकर यह पैरोकारी छोड़ दी है। पार्टी द्वारा अपनी अपील को व्यापक बनाने के तहत शफीकुर रहमान ने कहा, भ्रष्टाचार विरोधी अभियान किसी भी एकता सरकार का साझा एजेंडा होना चाहिए। वह बोले, पीएम उस पार्टी से होगा जिसे सर्वाधिक सीटें मिलेंगी। यदि जमात को सबसे अधिक सीटें मिलीं, तो पार्टी तय करेगी कि प्रधानमंत्री स्वयं उम्मीदवार होंगे या नहीं।

2013 से जमात पर लगा प्रतिबंध : अपदस्थ पीएम शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी अब चुनाव से प्रतिबंधित है। हसीना कार्यकाल में जमात पर 1971 के पाकिस्तानी स्वतंत्रता संघर्ष में युद्ध अपराधों के लिए कई नेताओं को मौत की सजा सुनाई गई। युद्ध का जमात ने विरोध किया था। 2013 से जमात पर चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया गया, लेकिन यूनुस सरकार ने अगस्त 2024 में पार्टी पर लगे सभी प्रतिबंध हटा दिए। रहमान ने कहा कि ढाका से भागने के बाद हसीना का भारत में रहना चिंता का विषय है, क्योंकि उनके पतन के बाद से दोनों देशों के संबंध दशकों में सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। लेकिन शफीकुर रहमान ने कई अंतरविरोधों के बावजूद इस साल की शुरुआत में एक भारतीय राजनयिक से मुलाकात की। उन्होंने कहा, हमें सभी के प्रति और एक-दूसरे के प्रति खुला होना चाहिए।

कनाडा में उड़ान भरने से पहले एअर इंडिया के पायलट ने पी शराब, हिरासत में लिया गया; दिल्ली आनी थी फ्लाइट

वैंकूवर, एजेंसी। कनाडा के वैंकूवर एयरपोर्ट पर एअर इंडिया के एक पायलट को नशे की हालत में हिरासत में लिया गया। 23 दिसंबर, 2025 को वैंकूवर-दिल्ली (वियना होते हुए) उड़ान भरने वाले एयर इंडिया के एक पायलट को जश्न मनाना भारी पड़ गया। पायलट को मुंह से शराब की गंध आने के बाद हिरासत में लिया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वैंकूवर के एक ड्यूटी फ्री स्टोर की कर्मचारी ने पायलट को त्योहार के मौके पर दी जा रही शराब पीते हुए देखा। दावा किया गया है कि शराब की बोतल खरीदते समय पायलट के मुंह से शराब की गंध आई थी। कर्मचारी ने पायलट की सूचना कनाडाई

अधिकारियों को दी।

वियना में फ्लाइट में सवार हुई नई पायलट की टीम : कनाडाई अधिकारियों ने पायलट का ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट किया, जिसमें वे फेल हो गए। इसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया। एअर इंडिया ने तुरंत एक वैकल्पिक पायलट की व्यवस्था की। चार पायलटों या दो टीमों वाली ये उड़ान दो घंटे की देरी से रवाना हुई। विमान के वियना में उतरने के बाद यहां से चालक दल की एक अन्य टीम ने दिल्ली के लिए उड़ान भरी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि इस मामले में एअर इंडिया ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने बताया, 'पायलट को कुछ दिनों बाद दिल्ली लाया गया और उससे पूछताछ की जा रही है। इस मामले की जानकारी नागरिक उड्डयन महानिदेशालय को दी गई है, जो इसकी जांच कर रहा है।' कुछ सूत्रों का कहना है कि पायलट ने हवाई अड्डे पर अनजाने में शराब पी ली थी और ड्यूटी फ्री शॉप के एक कर्मचारी ने उसे ऐसा करते हुए देखा था। वहीं अन्य का कहना है कि बोतल खरीदते समय उससे शराब की गंध आ रही थी। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि असल में क्या हुआ था। कर्मचारी ने मामले की सूचना कनाडाई अधिकारियों को दी, जिन्होंने सीसीटीवी फुटेज का इस्तेमाल करके पता लगाया कि संबंधित पायलट को उड़ान भरनी थी।

जिनपिंग ने नए साल पर कहा- ताइवान पर कब्जा होकर रहेगा; ताइपे ने संप्रभुता की रक्षा का संकल्प दोहराया

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नए साल की पूर्व संध्या पर देश को संबोधित किया। इस दौरान शी जिनपिंग ने ताइवान पर कब्जे का संकल्प दोहराया। साथ ही जिनपिंग ने तकनीक के मामले में आत्मनिर्भर बनने की बात कही, जिसमें एआई और सेमीकंडक्टर जैसी तकनीकों में विकास करने की बात भी कही।

नए साल के संबोधन में बोले जिनपिंग- ताइवान के लोगों के साथ हमारे खून के संबंध अपने संबोधन में शी जिनपिंग ने तकनीक के मामले में देश के विकास को सराहा, जिनमें खासकर सैन्य तकनीक और अंतरिक्ष के क्षेत्र में देश की उपलब्धियों की जमकर तारीफ की। शी ने पिछले पांच वर्षों में देश की आर्थिक तरक्की में योगदान देने के लिए चीनी लोगों को धन्यवाद दिया और कहा, 'हमने नवाचार के जरिए उच्च गुणवत्ता विकास को बढ़ावा देने की कोशिश की।'

शी जिनपिंग ने नए साल के संबोधन में ताइवान पर कब्जे की बात दोहाई। ताइवान एक स्व-शासित लोकतंत्र है, जिसे चीन अपना हिस्सा बताता है। शी जिनपिंग ने ताइवान पर कब्जे के बीजिंग के संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा, 'ताइवान जलडमरूमध्य के दोनों किनारों पर हम चीनी खून और संबंधों का बंधन साझा करते हैं। हमारी मातृभूमि का एकीकरण रोका नहीं जा सकता और यह समय की मांग भी है।' गौरतलब है कि चीन ने इस हफ्ते ही ताइवान की सीमा के आसपास दो दिनों तक सैन्य अभ्यास किया और नौसैन्य जहाज भी भेजे। चीन का यह कदम ऐसे समय सामने आया, जब अमेरिका, ताइवान को बड़े पैमाने पर हथियारों

की बिक्री की योजना बना रहा है।

ताइवान के राष्ट्रपति ने कही संप्रभुता की रक्षा की बात : वहीं ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने गुरुवार को अपने नए साल के भाषण में चीन की विस्तारवादी महत्वाकांक्षाओं का विरोध किया और ताइवान की आत्मरक्षा को मजबूत करने का वादा किया। लाई ने अपने नए साल के संबोधन में कहा, 'चीन की बढ़ती विस्तारवादी महत्वाकांक्षाओं के सामने, अंतरराष्ट्रीय समुदाय यह देख रहा है कि क्या ताइवानी लोगों में खुद की रक्षा करने का संकल्प है।' उन्होंने आगे कहा, 'राष्ट्रपति के तौर पर, मेरा रुख हमेशा स्पष्ट रहा है कि राष्ट्रीय संप्रभुता की दृढ़ता से रक्षा करना, राष्ट्रीय रक्षा को मजबूत करना, और एक प्रभावी लोकतांत्रिक तंत्र का निर्माण करना चाहिए। ताइवान ने पिछले साल हथियारों की खरीद के लिए 40 अरब डॉलर का विशेष बजट घोषित किया था, जिसमें ताइवान डोम नामक वायु रक्षा प्रणाली का निर्माण भी शामिल है। यह बजट आठ वर्षों में, 2026 से 2033 तक आवंटित किया जाएगा। ताइवान के राष्ट्रपति ने चीन के आक्रमण की धमकियों के बीच अपने देश के सकल घरेलू उत्पाद का 5 प्रतिशत तक रक्षा खर्च बढ़ाने का वादा किया है। लाई ने कहा, 'चीन की गंभीर सैन्य महत्वाकांक्षाओं का सामना करते हुए, ताइवान के पास इंतजार करने का समय नहीं है।

हत्या के आरोपी का दूसरा वीडियो- उस्मान हादी को 5 लाख टका दिए थे, मैं भारत नहीं भागा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में कट्टर भारत-विरोधी नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के मामले में मुख्य संदिग्ध बताए जा रहे फैसल करीम मसूद ने 24 घंटे के भीतर दूसरा सेल्फ-रिकॉर्डेड वीडियो जारी कर अपनी बेगुनाही दोहराई है। वीडियो में मसूद ने दावा किया कि वह इस समय दुबई में है और हत्या से उसका कोई लेना-देना नहीं है।

यह वीडियो बांग्लादेशी पत्रकार सलाह उद्दीन शोएब चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर शेयर किया। इसमें फैसल करीम मसूद ने ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के उस आरोप को सिरे से खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि हत्या के बाद वह हलुआघाट सीमा के रास्ते भारत फरार हो गया। मसूद ने कहा कि उसने कभी भारत में प्रवेश नहीं किया और पुलिस का दावा पूरी तरह गलत है।

मसूद के अनुसार, उसकी पहचान शरीफ उस्मान हादी से सरकारी और आईटी से जुड़े ठेके हासिल करने के सिलसिले में हुई थी। उसने दावा किया कि मुहम्मद यूनुस के सरकारी हलकों में पैरवी के लिए उसने हादी को पांच लाख टका दिए थे। मसूद का कहना है कि यह रकम केवल लॉबिंग के लिए दी गई थी, न कि किसी गैरकानूनी उद्देश्य से।

मसूद ने वीडियो में कहा- मैंने उनसे नौकरी और कॉन्ट्रैक्ट दिलाने में मदद के लिए बात की थी। उन्होंने भरोसा दिलाया और इसके बदले पांच लाख टका मांगे, जो मैंने दिए। उसने यह भी दावा किया कि बाद में दोनों के बीच राजनीतिक गतिविधियों से जुड़ा संपर्क बढ़ा और हादी ने उससे अंतरिम सरकार से जुड़े कार्यक्रमों के लिए स्वयंसेवक जुटाने में सहयोग मांगा। मसूद के मुताबिक, उनके बीच किसी तरह का विवाद नहीं था।

यह दूसरा वीडियो ऐसे समय सामने आया है जब इससे पहले जारी अपने पहले

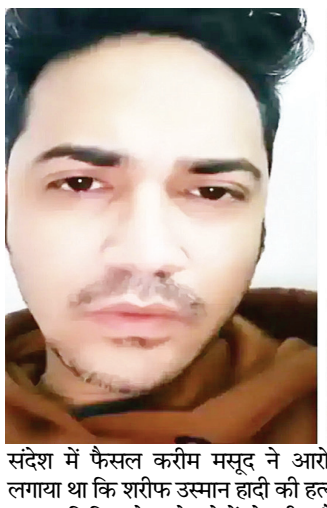

संदेश में फैसल करीम मसूद ने आरोप लगाया था कि शरीफ उस्मान हादी की हत्या जमात शिबिर से जुड़े लोगों ने की और जमातियों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया। उसने कहा- मैंने हादी की हत्या नहीं की है। मुझे और मेरे परिवार को झूठे मामले में फंसाया जा रहा है।

गौरतलब है कि शरीफ उस्मान हादी जुलाई 2024 के बांग्लादेश छात्र आंदोलन का एक प्रमुख चेहरा थे और छात्र संगठन इंकलाब मंच के वरिष्ठ नेता और प्रवक्ता के रूप में जाने जाते थे। उन्होंने फरवरी 12 को होने वाले आम चुनावों के लिए ढाका के बिजयनगर क्षेत्र से उम्मीदवार के तौर पर भी अपनी मुहिम शुरू की थी।

शरीफ उस्मान हादी पर ढाका में एक मस्जिद से निकलते समय नकाबपोश हमलावरों ने गोलीबारी की थी। गंभीर रूप से घायल हादी को इलाज के लिए सिंगापुर ले जाया गया, जहां 18 दिसंबर को उनकी मौत हो गई। उनकी हत्या के बाद बांग्लादेश में व्यापक हिंसा और अशांति फैल गई थी। कई इलाकों में विरोध-प्रदर्शन हुए, भारतीय उच्चायोग की इमारत पर हमला किया गया और देश के प्रमुख मीडिया संस्थानों प्रथम आलो और द डेली स्टार के दफ्तरों में आगजनी की घटनाएं सामने आईं। फिलहाल इस मामले की जांच जारी है और बांग्लादेशी सुरक्षा एजेंसियां फैसल करीम मसूद के दावों की जांच कर रही हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जामनगर में एसओजी की बड़ी कार्रवाई : अवैध रूप से रह रहे 5 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

जामनगर (एजेंसी)। जामनगर में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से भारत में रह रहे पांच बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में दो पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं, जो शहर की पटेल कॉलोनी में किराए के मकान में रह रहे थे। जांच के दौरान इन आरोपियों के पास से पश्चिम बंगाल के आधार कार्ड बरामद हुए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ये सभी बिना पासपोर्ट, वीज़ा या भारत सरकार की किसी भी प्रकार की अनुमति के अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर यहां रह रहे थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम शहाबुद्दीन मोहम्मद गौस शेख, महमद आरिफ मुजीबर शेख, जमिला बेगम अनारदी शेख, नजमा बेगम अब्दुलहकीम हाउलदार और मुर्सीदा बेगम महमद आरिफ मुजीबर शेख बताए गए हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि ये सभी पटेल कॉलोनी की गली नंबर 11 में एक मकान किराए पर लेकर रह रहे हैं। सूचना के आधार पर एसओजी ने स्वस्तिक मार्बल के सामने स्थित गुलाम मयूदीन अब्दुलकरीम खान गागदाणी के मकान पर छापा मारा, जहां पांचों बांग्लादेशी नागरिक अवैध रूप से रह रहे पाए गए। सभी को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। एसओजी ने आरोपियों के खिलाफ पासपोर्ट अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही, अवैध नागरिकों को मकान किराए पर देने वाले मकान मालिक के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

महिला फांसी पर झूली, दहेज लोभियों पर मामला दर्ज

जबलपुर (एजेंसी)। थाना गढ़ा चौकी मेडिकल कॉलेज से 5 फरवरी 2025 को सूचना मिली कि ग्राम पौड़ी, थाना शहपुरा निवासी 22 वर्षीय एकता पटेल को 4 फरवरी को बेहोशी की हालत में मेडिकल कॉलेज लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक कार्रवाई के तहत पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया और घटनास्थल थाना शहपुरा क्षेत्र में होने के कारण मर्ग डायरी अग्रिम जांच हेतु थाना शहपुरा स्थानांतरित की गई। जांच के दौरान मृतिका के माता-पिता और भाई ने पुलिस को दिए बयानों में बताया कि एकता पटेल की शादी जनवरी 2022 में ग्राम पौड़ी निवासी रोहित पटेल से हुई थी। अगस्त 2024 में रोहित पटेल द्वारा ट्रैक्टर खरीदने के लिए 50 हजार रुपये दहेज के रूप में मांगे गए। इसके अलावा ससुराल पक्ष द्वारा लगातार सोने-चांदी के गहने, आलमारी और सूटकेस की मांग कर मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। परिजनों के अनुसार 4 फरवरी 2025 की दोपहर करीब 2:30 बजे एकता का भाई सिद्धांत पटेल उसके घर पहुंचा। कमरे का दरवाजा खोलने पर एकता घर के अंदर फांसी पर लटकी मिली। सूचना मिलने पर जेठ अभिनव पटेल और निखिल पटेल ने उसे फांसी से उतारकर कार से मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी माधुरी पटेल, पति रोहित पटेल, देवर आदर्श पटेल, जेठ अभिनव पटेल और निखिल पटेल के खिलाफ धारा 80(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

छपरा : नर्स अंजलि मौत मामला अभी भी रहस्यमय

पटना (एजेंसी)। बिहार के छपरा जंक्शन के पास रेलवे ट्रैक पर नर्स अंजलि का क्षत-विक्षत शव मिलने का मामला अब भी रहस्यमय बना हुआ है। अंजलि, जो छपरा के निजी अस्पताल में नर्स के रूप में कार्यरत थी, 26 दिसंबर को रहस्यमय तरीके से लापता हो गई थी। उसके शव की खोज 27 दिसंबर को रेलवे ट्रैक पर हुई। परिजन घटना को हत्या मान रहे हैं और उन्होंने डॉक्टर पंकज कुमार, उनके सहयोगी अखिलेश कुमार और फिरोज केशर पर गंभीर आरोप लगा दिए हैं। परिजनों का कहना है कि डॉक्टर और उनके साथी अंजलि का दुष्कर्म करने के बाद शव को ट्रैक पर रखकर दुर्घटना का रूप देने की कोशिश कर रहे थे। इस हाई-प्रोफाइल मामले की जांच में पुलिस को अभी तक ठोस सुराग हाथ नहीं लगा हैं। हत्या है या आत्महत्या, यह सवाल जांच का केंद्र बना हुआ है। मामले की संवेदनशीलता को देखकर रेल आईजी पी. कन्नन ने उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। हालांकि रेल आईजी ने मीडिया से किसी प्रकार की जानकारी साझा नहीं की। जांच में देरी और अभी तक स्पष्ट परिणाम न मिलने के कारण अंजलि के परिजन काफी परेशान हैं और उनका धैर्य जवाब देने लगा है। इस प्रकरण ने न केवल लोगों को झकझोर कर रख दिया है, बल्कि प्रशासन पर भी दबाव बढ़ा दिया है। अभी तक इस मामले में कोई अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आया है, और अंजलि की मौत के पीछे का सच परदे के पीछे ही बना हुआ है। जांच के अगले चरण और नए सुरागों पर सभी की नजरें टिकी हैं।

घने कोहरे के कारण लेट चल रही ट्रेन...स्टेशन पर यात्रियों को हो रही परेशानी

चंदौली (एजेंसी)। साल बदल गया लेकिन मौसम का मिजाज अभी भी नहीं नहीं बदला। हम बात कर रहे हैं घने कोहरे और ठंड की। बीते साल दिसंबर के दूसरे सप्ताह से जिस घने कोहरे की शुरुआत हुई थी। वह नए साल में भी बदस्तूर जारी दिख रहा है। इसके साथ ही घने कोहरे के चलते ट्रेनों के लेट चलने का सिलसिला जारी है। दिल्ली हावड़ा रेल रूट के सबसे व्यस्ततम रेलवे स्टेशनों में शुमार पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से होकर गुजरने वाली सियालदह राजधानी, भुवनेश्वर राजधानी, पटना राजधानी और हावड़ा राजधानी सहित पुरुषोत्तम एक्सप्रेस, मगध एक्सप्रेस, पूर्वा एक्सप्रेस, दुरंतो एक्सप्रेस और ब्रह्मपुत्र मेल जैसी दर्जनों ट्रेनें अपने निर्धारित समय से कई-कई घंटे लेट चल रही हैं। वहीं शीतलहर और ठंड में ट्रेनों के इंतजार में यात्रियों का हाल बेहाल हो रहा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से गया जा रहे यात्री ने बताया कि उनकी ट्रेन 4 घंटे लेट हो गई है। ठंड और कोहरा बहुत ज्यादा है। इसकारण ट्रेन का इंतजार करना काफी मुश्किलभरा साबित हो रहा है। अरुणाचल प्रदेश के पर्यटक ने बताया कि अगरतला त्रिपुरा सुंदरी ट्रेन से हमें त्रिपुरा जाना है। ट्रेन बहुत ज्यादा लेट हो गई है। वहीं एक यात्री ने बताया कि हमें कोलकाता एक्सप्रेस से गया जाना है लेकिन ट्रेन 5 से 6 घंटे लेट चल रही है।

टायर फटने से पलटा पिकअप वाहन, तीन की मौत, एक घायल

बैंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के हासन जिले में गुरुवार को एक पिकअप वाहन का टायर फटने के बाद पलट जाने से तीन लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। स्थानीय पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतकों की पहचान शब्बीर (55), तिम्मन्ना (53) और संजय (45) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि हादसे में घायल हासन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बांग्लादेश में रह रहे हिन्दुओं को अपनी नहीं भारत सरकार से उम्मीद... वे अपनी नीति बदले

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों का जिस तरह से अमानवीय तरीके से उत्पीड़न किया जा रहा है, उसके लिए भी वहां रहने वाले हिंदुओं को भारत की नीति पर ही उम्मीद अटकी हुई है। बांग्लादेश के अल्पसंख्यक नेताओं का दावा है कि वहां रहने वाले अल्पसंख्यकों खासकर हिंदुओं की जान भी भारत की नीतियों पर निर्भर है। स्थिति ऐसी हो चुकी है कि इस साल बंगाल और असम में जो विधानसभा चुनाव होने हैं, उस लेकर भी वे सहमे हुए हैं और उन्हें इस बात की चिंता सता रही है कि भारत में हो रहे इन चुनावों का खामियाजा कहीं उन्हें न भुगतना पड़े। इसकारण वे बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार पर अपनी सुरक्षा के लिए दबाव बनाने के बजाए, भारत की बांग्लादेश नीति में परिवर्तन की गुहार लगा रहे हैं।

एक रिपोर्ट में बांग्लादेश माइनॉरिटी जनता पार्टी के अध्यक्ष ने बताया कि वहां बच गए अल्पसंख्यकों को अब अपनी सरकार से कोई उम्मीद नहीं है। उन्हें लगता है कि बांग्लादेश में उनके सुरक्षित रहने के लिए जरूरी है कि भारत की विदेश नीति बदल जाए, ताकि कट्टरपंथी मुसलमान उनके प्रति रहम दिखाना शुरू कर दें।

बांग्लादेश माइनॉरिटी जनता पार्टी के अध्यक्ष सुकृति कुमार मंडल ने आरोप लगाया है कि अवामी लीग की जिस शेख हसीना सरकार को पिछले साल मजहबी हुड़दंगियों की हिंसक भीड़ ने सत्ता से बेदखल किया, उसके कार्यकाल में हिंदुओं को लगातार निशाना बनाया जा रहा था। उन्होंने कहा है कि वहां हिंदुओं के जीवित बचे रहने के लिए अब राजनीतिक प्रतिनिधित्व अति आवश्यक हो चुका है, लेकिन बांग्लादेश में स्थिरता हो इसके लिए भारत की बांग्लादेश नीति में बदलाव की भी जरूरत पड़ेगी।

दिल्ली यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र मंडल के मुताबिक बांग्लादेश के ज्यादातर लोग, चाहे वे किसी भी राजनीतिक दल से जुड़े हों, वे भारत के साथ अच्छा संबंध चाहते हैं और इस बात में भी कोई दो राय नहीं है कि इस क्षेत्र में भारत की भूमिका को कभी भी कमतर करके नहीं देखा जा सकता है। लेकिन, इसके साथ ही उनका दावा है कि भारत का अवामी लीग के अंध समर्थन ने भारत-विरोधी भावनाएं विकसित की हैं, जिससे जमीन पर भारत-विरोधी तत्वों को मदद मिल गई है।

उन्होंने कहा, हालांकि हमारा देश अभी उथल-पुथल की दौर से गुजर रहा है और यहां कोई औपचारिक सरकार भी नहीं है, यहां के हिंदुओं को लिए यह इसलिए भी और भयानक समय है क्योंकि पड़ोसी भारत के पश्चिम बंगाल और असम में चुनाव हैं। यह हमारे लिए यातनाओं का मौसम है। उन्होंने कहा, अगर भारत की मौजूदा सरकार भारत में चुनावों के लिए बांग्लादेशी हिंदुओं की दुर्दशा का राजनीतिक फायदा उठाने के लिए इस्तेमाल करना चाहती है, तब हम कुछ नहीं कर सकते, लेकिन लंबे समय में यह रवैया उल्टा पड़ेगा।

भूमाफिया पर सख्ती : बिहार में लालू यादव की संपत्तियों की जांच की मांग, गरमाई सियासत

पटना। बिहार में इन दिनों भू-माफिया और जमीन के अवैध कारोबार से जुड़े दलालों के खिलाफ सरकार का बेहद सख्त रुख देखने को मिल रहा है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की कमान संभालने के बाद उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने अधिकारियों और माफियाओं के गठजोड़ को तोड़ने के लिए एक आक्रामक अभियान छेड़ रखा है। इस अभियान के बीच अब राज्य की राजनीति में एक नया मोड़ आ गया है। सत्ताधारी दल जेडीयू ने आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की जमीन और संपत्तियों की गहन जांच कराने की मांग उठा दी है। जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने इस संबंध में उपमुख्यमंत्री से त्वरित कदम उठाने की अपील की है, जिसके बाद बिहार का सियासी पारा अचानक बढ़ गया है। जेडीयू की इस मांग पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने स्पष्ट किया है कि विभाग किसी भी प्रकार की शिकायत पर विचार करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि यदि जेडीयू नेता उनके द्वारा आयोजित भूमि सुधार जनकल्याण संवाद कार्यक्रम में औपचारिक रूप से आवेदन देते हैं, तो सरकार और विभाग इस पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ विचार करेगा। सिन्हा ने जोर देकर कहा कि उनका यह अभियान किसी व्यक्ति विशेष या किसी राजनीतिक दल को निशाना बनाने के लिए नहीं है, बल्कि यह पूरे सिस्टम की खामियों और भ्रष्टाचार के खिलाफ एक निर्णायक लड़ाई है। उन्होंने चेतावनी दी कि जमीन हड़पने वाले माफिया हों या उनसे सांठगांठ रखने वाले अधिकारी, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। यह राजनीतिक विवाद ऐसे समय में गहराया है जब उपमुख्यमंत्री खुद जिलों का दौरा कर जनसंवाद के माध्यम से आम जनता की जमीन संबंधी शिकायतों का मौके पर निपटारा कर रहे हैं। इसी दौरान जेडीयू नेता नीरज कुमार ने लालू परिवार की पटना और अन्य क्षेत्रों में स्थित संपत्तियों पर सवाल उठाते हुए जांच की आवश्यकता जताई है। जेडीयू का तर्क है कि जब सरकार जमीन माफिया के खिलाफ व्यापक मुहिम चला रही है, तो बड़े नेताओं की बेनामी या संदिग्ध संपत्तियों को जांच के दायरे से बाहर नहीं रखा जाना चाहिए।

उत्तर भारत में भीषण ठंड और कोहरे का प्रकोप: कई राज्यों में स्कूलों की छुट्टियां घोषित

नई दिल्ली(एजेंसी)। उत्तर भारत में नए साल का आगमन कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के साथ हुआ है। जनवरी की शुरुआत होते ही समूचा उत्तर और उत्तर-मध्य भारत शीत लहर की चपेट में है। वर्तमान स्थिति यह है कि कई क्षेत्रों में दृश्यता (विजिबिलिटी) शून्य तक पहुँच गई है, जिससे जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हुआ है। इस भीषण मौसमी स्थिति का सबसे अधिक प्रभाव स्कूली बच्चों पर पड़ रहा है, जिन्हें सुबह के घने कोहरे और ठिठुरन में स्कूल जाने में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न राज्य सरकारों और जिला प्रशासनों ने स्कूलों को बंद करने या उनके समय में परिवर्तन करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

आज, 2 जनवरी 2026 को उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब सहित कई राज्यों में प्राथमिक से लेकर माध्यमिक स्तर तक के स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है। उत्तर प्रदेश के लखनऊ, कानपुर, आगरा और वाराणसी जैसे प्रमुख शहरों में जिलाधिकारियों ने कक्षा 8 तक के स्कूलों को बंद रखने के निर्देश दिए हैं। वहीं, नोएडा और गाजियाबाद जैसे दिल्ली से सटे इलाकों में स्कूलों को सुबह 10 बजे के बाद खोलने या ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने का विकल्प दिया गया है। यह आदेश सरकारी और निजी दोनों तरह के शिक्षण संस्थानों पर समान रूप से लागू है।

राजस्थान में भी स्थिति गंभीर बनी हुई है। शेखावाटी अंचल और उत्तरी जिलों जैसे बीकानेर और चूरू में तापमान शून्य डिग्री के करीब पहुंच गया है। राजधानी जयपुर सहित अन्य जिलों में शीतकालीन अवकाश को 5 जनवरी तक बढ़ा दिया गया है, ताकि छोटे बच्चों को जमा देने वाली ठंड से बचाया जा सके। हरियाणा सरकार ने और भी कड़ा कदम उठाते हुए राज्य के सभी स्कूलों में 15 जनवरी 2026 तक सर्दियों की छुट्टियों की घोषणा कर दी है। पंजाब में भी इसी तर्ज पर प्राथमिक विद्यालयों को बंद रखा गया है, जबकि बोर्ड परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए कक्षा 9 से 12 तक के लिए समय सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक तय किया गया है।

सियासी फेरबदल: बंगाल में अकेले चुनाव मैदान में उतर सकती है कांग्रेस!

नई दिल्ली(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सियासत में बड़ा फेरबदल देखने को मिल सकता है। कांग्रेस पार्टी आगामी विधानसभा चुनावों में वाम मोर्चे से अलग होकर अकेले चुनाव लड़ने पर गंभीरता से विचार कर रही है। पार्टी के भीतर इसे लेकर मंथन तेज हो गया है और संकेत मिल रहे हैं कि कांग्रेस अब अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान को फिर से मजबूत करने की रणनीति पर आगे बढ़ सकती है।

सूत्रों के अनुसार, पिछले चुनावों में वाम मोर्चे के साथ गठबंधन के बावजूद कांग्रेस को अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी। 2021 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस और वाम मोर्चा दोनों ही खाता खोलने में नाकाम रहे थे, जिससे पार्टी के अंदर गठबंधन की उपयोगिता पर सवाल उठे।

कांग्रेस नेताओं का मानना है कि राज्य में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधी लड़ाई के कारण तीसरे मोर्चे की राजनीति कमजोर हुई है। ऐसे में पार्टी अब जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत कर, अपने बलबूते जनता के बीच जाने की तैयारी कर रही है।पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि बंगाल में कांग्रेस की ऐतिहासिक भूमिका रही है और मतदाता आज भी एक वैकल्पिक राजनीतिक ताकत की तलाश में हैं। अकेले चुनाव लड़ने से पार्टी को अपनी नीतियों और विचारधारा को स्पष्ट रूप से जनता के सामने रखने का अवसर मिलेगा।

हालांकि, इस मुद्दे पर अंतिम फैसला पार्टी आलाकमान की मंजूरी के बाद ही लिया जाएगा। आने वाले दिनों में कांग्रेस की रणनीति बंगाल की राजनीति की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकती है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, पश्चिम बंगाल में तृणमूल की साथ गठबंधन में जाने से केरल में वाम मोर्चे के साथ भिड़ने में मुश्किल होगी क्या? इस पर विमर्श चल रहा है। पश्चिम बंगाल में वाम मोर्चे के साथ जाने पर लाभ हानि के गुणा भाग पर भी काम हो रहा है। केरल में वाम मोर्चे की अगुवाई वाली एलडीएफ और कांग्रेस की अगुवाई वाली यूडीएफ आमने सामने है। वाम दलों के साथ पश्चिम बंगाल चुनाव कांग्रेस ने 2016 में लड़ा था जिसमें कांग्रेस को 44 और वाम मोर्चा को 26 सीटें मिली थी। 2021 में गठबंधन के दोनों दलों को खाता खोलना भी भारी पड़ा था। भाजपा का सूबे में पूरी तरह अभ्युदय हो चुका था। 2016 में 3 सीटें हासिल करने वाली भाजपा 2021 के चुनाव में 77 सीटों पर फतह हासिल कर 38 फीसदी पाने का आश्चर्यजनक सफलता पाई थी।

अगले साल 2026 में पश्चिम बंगाल के चुनाव में कांग्रेस के अधिकांश नेता अकेले ही चुनावी मैदान में कूदने की रणनीति पर भी काम कर रहे हैं। एक नेता ने कहा, राज्य में कांग्रेस के पास खोने को कुछ नहीं। पाने को सबकुछ है। लेकिन विपक्षी गठबंधन की दुहाई देकर अन्य विपक्षी दलों ने तृणमूल के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने का दबाव बनाया हुआ है ताकि भाजपा के खिलाफ विपक्षी वोटों का बिखराव न हो।

दिल्ली में मर्डर: लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली जिम्मेदारी, पुलिस की जांच पर उठे सवाल

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली एक बार फिर गैंगवार और अंडरवर्ल्ड के साए में नजर आई। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में हुए वसीम हत्याकांड की जिम्मेदारी अब लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ली है। पोस्ट सामने आने के बाद दिल्ली पुलिस की शुरुआती जांच और गैंग एंगल को लेकर सवाल उठने लगे हैं।गैंग की ओर से दावा किया गया है कि यह हत्या उत्तरी-पूर्वी दिल्ली के कुख्यात गैंगस्टर हाशिम बाबा के लिए करवाई गई, क्योंकि वसीम कथित तौर पर उसके खिलाफ लगातार बयानबाजी कर रहा था। हालांकि पुलिस इससे पहले इस हत्याकांड को आपसी रंजिश का मामला बताते हुए दो सगे भाइयों को गिरफ्तार कर चुकी है।

मामला तब और गंभीर हो गया जब सोशल मीडिया पर एक पोस्ट सामने आई, जिसमें लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली। पोस्ट में लिखा गया कि वसीम गैंगस्टर हाशिम बाबा के खिलाफ बोल रहा था इसलिए उसे मारा गया। गैंग ने यह भी इशारा किया कि हत्या का आदेश तिहाड़ जेल से दिया गया। हालांकि पुलिस अभी इस

पोस्ट की सत्यता और इसके पीछे की मंशा की जांच कर रही है।

एसएचओ इंस्पेक्टर मनजीत तोमर के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, स्थानीय इनपुट और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच तेज की। कुछ ही घंटों में पुलिस ने दो सगे भाइयों 26 वर्षीय शाकिर और 22 वर्षीय इस्लाम उर्फ बॉर्डर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने हत्या की बात कबूल करते हुए बताया कि वसीम के साथ उनका पहले से विवाद चल रहा था और उसी रंजिश में उस पर चाकू से हमला किया गया। आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद कर लिया गया। पुलिस के सामने अब दो अलग-अलग दावे हैं। एक तरफ गिरफ्तार आरोपियों का आपसी रंजिश वाला कबूलनामा। दूसरी तरफ गैंग का दावा कि यह सुपारी किलिंग है।सूत्रों के मुताबिक, पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या आरोपी किसी बड़े गैंग के संपर्क में थे या गैंग सिर्फ खौफ फैलाने के लिए जिम्मेदारी ले रहा है।

क्या है मामला

30 और 31 दिसंबर की दरम्यानी रात शास्त्री पार्क स्थित जेपीसी अस्पताल से पुलिस को सूचना मिली कि चाकू से घायल एक युवक को लाया गया है। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान 33 वर्षीय वसीम, निवासी बुलंद मस्जिद, शास्त्री पार्क के रूप में हुई। जांच में सामने आया कि वसीम पर डीडीए पार्क के पीछे बने लूप के पास चाकू से हमला किया गया था। घटना की सूचना मिलते ही शास्त्री पार्क थाना पुलिस मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक टीम ने सबूत जुटाए।फिलहाल पुलिस सोशल मीडिया पोस्ट, कॉल डिटेल रिकॉर्ड और जेल लिंक की गहराई से जांच कर रही है।

15 लोगों की मौत के लिए सत्ता का अहंकार और भ्रष्टाचार जिम्मेदार : जीतू पटवारी

भोपाल। मध्य प्रदेश के कारोबारी शहर इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों पर कांग्रेस ने फिर मोहन सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इन मौतों को सीधे तौर पर हत्या करार देकर प्रकरण दर्ज करने की मांग की है। वहीं यूथ कांग्रेस ने इंदौर की घटना पर विरोध प्रदर्शन दर्ज कराया है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने कहा कि प्रदेश की मोहन सरकार की ओर से जो बयान आ रहे हैं, वह पूरे घटनाक्रम पर पर्दा डालने की कोशिश है। जहरीला पानी पीने से 15 लोगों की मौत हुई है, अगर इसके लिए किसी को दोषी ठहराया जाए, तब स्वाभाविक तौर पर इसके लिए सत्ता का अहंकार और भ्रष्टाचार सबसे घातक हथियार है। वहीं मोहन सरकार में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि अधिकारियों में और महापौर में समन्वय की कमी है और सीएम यादव ने भी कहा कि अधिकारियों की कमी है। वहीं, महापौर ने भी अधिकारियों द्वारा उनकी

बात न सुने जाने का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता पटवारी का आरोप है कि भाजपा अधिकारियों के सहारे अपने भ्रष्टाचार को छुपाना चाहती है। इतना ही नहीं अधिकारी भी भ्रष्टाचार के हिस्सेदार हैं, भाजपा नेता अधिकारियों को टारगेट कर रहे, ये अपने पाप को छुपा रहे हैं।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने मंत्री विजयवर्गीय के इस्तीफे की मांग की है, उन्होंने कहा कि महापौर पर एफआईआर होना चाहिए। जो अधिकारी इसमें शामिल हैं उस पर एफआईआर होना चाहिए। इसके साथ गैर इरादतन हत्या का मामला भी दर्ज होना चाहिए।

कांग्रेस नेता पटवारी ने इंदौर की जरूरत और विकास पर होने वाले खर्च को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। उनका कहना है कि इंदौर जितना टैक्स देता है उसके मुताबिक इस क्षेत्र में विकास कार्य नहीं हो रहे हैं। वहीं दूसरी ओर भोपाल की युवा कांग्रेस इकाई ने इंदौर की घटना के विरोध में अनोखा प्रदर्शन किया। युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने छोटे तालाब के गंदे पानी में नाव पर बैठकर मंत्री विजयवर्गीय के पुतले को दूषित पानी पिलाया और उसी पानी में पुतले को डुबाकर विरोध जताया।

कर्नाटक सरकार के सर्वे में दावा-91 प्रतिशत ने माना चुनाव निष्पक्ष

-83 प्रतिशत जनता ने जताया ईवीएम पर भरोसा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार द्वारा 2024 के लोकसभा चुनावों पर एक सर्वेक्षण कराया गया था, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) पर जनता का मजबूत विश्वास सामने आया है। इस सर्वेक्षण के अनुसार, कर्नाटक की 83 प्रतिशत जनता ने ईवीएम पर भरोसा जताया है। वहीं कर्नाटक सरकार एजेंसी की स्टडी में यह भी दावा किया गया है कि राज्य के 91 प्रतिशत लोग मानते हैं कि भारत में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से कराए जाते हैं और ईवीएम सटीक नतीजे देती हैं। यह रिपोर्ट कर्नाटक मॉनिटरिंग एंड इवैल्यूएशन अथॉरिटी ने प्रकाशित की है। यह सर्वे ऐसे समय आया है, जब कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भाजपा पर कई राज्यों में 'वोट चोरी' का लगातार आरोप लगा रहे हैं। वे कर्नाटक के कलबुर्गी में भी वोट चोरी का दावा कर चुके हैं। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है। ऐसे में भाजपा ने सर्वे रिपोर्ट को लेकर राहुल पर पलटवार किया है।

जानकारी के अनुसार, लोकसभा इलेक्शन 2024- इवैल्यूएशन ऑफ इंडलाइन सर्वे ऑफ नॉलेज, एटीट्यूट एंड प्रैक्टिस ऑफ सिटिजन्स नाम के इस सर्वे में 83.61 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि वे ईवीएम को विश्वसनीय मानते हैं। कुल मिलाकर, 69.39 प्रतिशत ने सहमति जताई कि ईवीएम मशीनें सटीक चुनाव परिणाम देती हैं, जबकि 14.22 प्रतिशत ने पूरी मजबूती के साथ यह विश्वास व्यक्त किया कि उन्हें ईवीएम पर भरोसा है।

कर्नाटक की 102 विधानसभाओं में हुआ सर्वे

इस सर्वे में बेंगलुरु, बेलगावी, कलबुर्गी और मैसूरु के प्रशासनिक डिवीजनों में 102 विधानसभा क्षेत्रों के 5,100 उत्तरदाताओं ने भाग लिया। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी वी। अंबुकुमार के माध्यम से इस सर्वे को कराया था। डिवीजन-वार आंकड़ों में कलबुर्गी में सबसे ज्यादा विश्वास दिखा, जहां 83.24 प्रतिशत ने सहमति और 11.24 प्रतिशत ने पूरी सहमति जताई कि ईवीएम विश्वसनीय हैं। मैसूरु में 70.67 प्रतिशत लोगों ने ईवीएम में अपनी विश्वसनीयता प्रकट की, और 17.92 प्रतिशत ने मजबूती के साथ ईवीएम में विश्वास होने का दावा किया। बेलगावी में 63.90 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने ईवीएम को विश्वसनीय बताया और 21.43 प्रतिशत ने मजबूती के साथ ईवीएम में अपनी विश्वसनीयता प्रकट की। बेंगलुरु डिवीजन में यह आंकड़ा 63.67 प्रतिशत और 9.28 प्रतिशत रहा। बता दें कि ये नतीजे कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उन दावों के बिल्कुल उलट हैं, जिनमें वह चुनावों में कथित ईवीएम हेरफेर और वोट चोरी के आरोप लगाकर बीजेपी और निर्वाचन आयोग पर बार-बार हमला बोलते हैं।